सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"खुद को एक सोने के सिक्के जैसा बनाइए
जोकि अगर नाली में भी गिरे
तो भी उसकी कीमत कम नहीं होती...!!

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-298 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 19 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

भिलाई-रिसाली-चरोदा में मेयर टिकट के लिए घमासान, एक अनार-सौ बीमार

बीजेपी में दावेदारों की लंबी फौज, तीन-तीन सर्वे टीमें मैदान में, विधानसभा का सेमीफाइनल माना जा रहा निगम चुनाव

आलोक तिवारी / भिलाई



भिलाई की गलियों से लेकर चौपालों तक आजकल एक ही चर्चा है - चुनाव आ रहे हैं, और सियासत का पारा सातवें आसमान पर है। नगर निगम के चुनाव की सुगबुगाहट शुरू होते ही हवा में कैसे-कैसे कयास तैरने लगे हैं। भिलाई, रिसाली और चरोदा - इन तीनों निगमों में इस वक्त टिकट की दावेदारी का जो खेल चल रहा है, वह किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं है। यहाँ एक अनार और सौ बीमार वाली कहावत सौ फीसदी फिट बैठती है।

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के विश्लेषण के आधार पर आइए सिलसिलेवार टटोलते हैं इस पूरी राजनीतिक कुंडली को।

चरोदा : ओबीसी मेयर सीट पर लंबी फेहरिस्त

चरोदा की ओबीसी मेयर सीट पर टिकट के लिए दावेदारों की लंबी फेहरिस्त है। यहाँ का इतिहास भी गजब का रहा है - भिलाई के मौजूदा सांसद विजय बघेल ने जब पहली बार पालिका चुनाव जीता था, तब वे निर्दलीय मैदान में थे। उसके बाद शशिकांत बघेल, सीता साहू और फिर नगर निगम बनने के बाद चंद्रकांता मांडले से लेकर निर्मल कोसरे तक का सफर तय हुआ।

आज की तारीख में चरोदा में बीजेपी की तरफ से दावेदारों की कतार में सबसे प्रबल नाम शशिकांत बघेल का है, जो खुद एक बार निर्दलीय पालिका अध्यक्ष रह चुके हैं और पार्षद भी रहे हैं।

इसके अलावा सतीश साहू (अरुण साहू के रिश्तेदार और पुराने कार्यकर्ता), प्रेमलाल साहू (जिला भाजपा महामंत्री, जिनकी लॉटरी खुलने की चर्चा है), खिलावन साहू (साहू समाज के वरिष्ठ संरक्षक तुल्य नेता), दिलीप पटेल (चार-पांच बार के पार्षद), और उपकार चंद्राकर (ओबीसी मोर्चा के महामंत्री जिनकी कांवर यात्रा काफी चर्चित रही) अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

यहाँ प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी और गजेंद्र यादव खुद मोर्चा संभाले हुए हैं, क्योंकि यहाँ घर-घर में विजय बघेल और भूपेश बघेल की सियासी तनातनी की गूंज सुनाई देती है।

रिसाली : एससी महिला सीट पर दौड़, चंदेश्वरी बांधे सबसे आगे

रिसाली निगम में मामला और भी दिलचस्प हो गया है। सीट आरक्षित हुई 'एससी महिला', और फिर क्या था - अहिवारा, बोरसी और दुर्ग तक से महिला दावेदार रिसाली की तरफ ऐसे दौड़ीं जैसे बारात में रसगुल्ला बंट रहा हो! कई लोगों ने तो अपने पुराने वार्डों से नाम कटवाकर यहाँ जुड़वाना शुरू कर दिया।

रिसाली के इस सियासी दंगल में एक बहुत ही मजबूत और चर्चित नाम पूरी ठसक के साथ उभरकर सामने आ चुका है - श्रीमती चंदेश्वरी बांधे। रिसाली की गलियों से लेकर चौपालों और दीवारों तक इन दिनों चंदेश्वरी बांधे के नाम के पोस्टर टँक चुके हैं।

भाजपा एससी मोर्चा की प्रदेश मंत्री, रायपुर संभाग एससी मोर्चा की सह-प्रभारी, नेहरू नगर वार्ड 4 की पार्षद, और अखिल भारतीय सतनामी महासभा की राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जैसी भारी-भरकम जिम्मेदारियों का लंबा अनुभव रखने वाली चंदेश्वरी बांधे ने रिसाली मेयर की रेस को बेहद रोमांचक बना दिया है। पिछले 22 वर्षों से संगठन की सक्रिय सेवा में जुटीं और प्रगति नगर, रिसाली की रहने वाली चंदेश्वरी बांधे का नाम आज हर कार्यकर्ता की जुबान पर है।

इसके साथ ही, रिसाली के इस दंगल में सुनीता कोसरे (उमरकोटी वाली) का नाम भी है, तो वहीं दूसरी तरफ एक बेहद काबिल और युवा नाम है - तेजस्वी सोनवानी का। महज 30 साल से कम उम्र की तेजस्वी ने दिल्ली एम्स में नर्सिंग ऑफिसर की सरकारी नौकरी को सिर्फ इसलिए ठुकरा दिया कि समाज सेवा करनी है, और आज वे महिला समूह बनाकर मैदान में डटी हैं।

उनके साथ-साथ समाज सेवा से जुड़ीं पुरानी कार्यकर्ता पार्वती कुर्रे (पार्वती डीडी) भी टिकट की मजबूत दावेदार हैं, जिनका सतनामी समाज में गहरा प्रभाव है।

भिलाई : सबसे बड़ा अखाड़ा, दो हिस्सों में बंटी दावेदारी

भिलाई - यानि लघु भारत, जहाँ हर जाति, हर मजहब और हर राज्य के लोग अपनी किस्मत आजमाने आते हैं। यहाँ मेयर की टिकट के लिए दावेदारी दो हिस्सों में बंटी हुई है - एक तरफ वो धुरंधर पार्षद हैं जो चार-चार, पांच-पांच बार चुनाव जीतकर अपनी जड़ें जमा चुके हैं, और दूसरी तरफ वो संगठन के सिपाही और समाजसेवी हैं जो प्रत्यक्ष तौर पर मैदान में उतरने के लिए बेताब हैं।

संगठन और समाजसेवा की दुनिया से

पुरुषोत्तम देवांगन - वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी भिलाई के जिलाध्यक्ष। बचपन से ही 'बाल स्वयंसेवक' (संघी) रहे पुरुषोत्तम देवांगन एक बेहद प्रखर और शानदार वक्ता हैं, और संगठन की कमान हाथ में होने के नाते इनकी दावेदारी को बेहद वजनदार माना जा रहा है।

दीपक तारचंद साहू - पूर्व सांसद ताराचंद साहू के सुपुत्र, जिनके परिवार का छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान से गहरा नाता है।

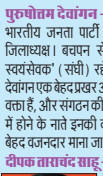

कन्हैया सोनी - चेंबर ऑफ कॉमर्स से जुड़े, सरोज पांडे और विधायक तानाखार भसीन के कैंप से।



तुलसी साहू - जो कभी कांग्रेस की राजनीति में मुखर थीं, राज्यसभा से लेकर विधानसभा तक अन्याय झेलने के बाद अब बीजेपी के पाले में पूरी शिद्दत से सक्रिय हैं।



विजय साहू - जिन्होंने कांग्रेस शासन में भूपेश बघेल के हर बयान का अकेले दम पर डटकर मुकाबला किया और सांसद विजय बघेल के संरक्षण में अपनी अलग पहचान बनाई।



अवधेश चौहान - छपरा, बिहार की माटी से ताल्लुक रखने वाले, प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य और आर्थिक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी, जिन्हें एक बड़ा सरप्राइजिंग कार्ड माना जा रहा है।

चर्चा के केंद्र में दो नाम : अतुल पर्वत और वीरेंद्र साहू



भिलाई के इस सियासी गगन में दो नाम ऐसे हैं जो इन दिनों चर्चा के केंद्र में सबसे ऊपर तैर रहे हैं - अतुल पर्वत और वीरेंद्र साहू।



खास तौर पर अतुल पर्वत का कद संगठन में हाल ही में और भी मजबूत हुआ है - महज एक हफ्ते पहले ही पार्टी ने उन पर बड़ा भरोसा जताते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ भाजपा किसान मोर्चा में 'कृषि, उद्यानिकी एवं सब्जी उत्पाद प्रकल्प' का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। इस नई और अहम जिम्मेदारी के बाद से अतुल पर्वत और वीरेंद्र साहू की सक्रियता व राजनीतिक पैठ ने विपक्षी खेमे में जबरदस्त हलचल मचा रखी है।

और इतना ही नहीं, सियासी गलियारों की सुगबुगाहट को समझें तो एक और गुप्त नाम (मिस्ट्री चेहरा) पर्दे के पीछे से अपनी बिसात बिछा रहा है, जिसका ऐसा तगड़ा धमाका होगा कि बड़े-बड़े सूरमा भौचक्के रह जाएंगे! उस मिस्ट्री नाम का राज वक्त आने पर खुलेगा, तब तक के लिए पर्दा रहने दीजिए।

खेल बड़ा है, दांव ऊंचे हैं

इस बार खेल बड़ा है और दांव ऊंचे हैं। भिलाई में बीजेपी अब तक सिर्फ एक बार (विद्यारतन भसीन के समय) मेयर बना पाई है, इसलिए इस बार सरकार, संगठन और खुद उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा पूरी गंभीरता से मैदान में हैं। संगठन अपने स्तर पर, सरकार अपने स्तर पर और दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व ने सर्वे की तीन-तीन टीमें मैदान में उतार दी हैं। कौन कितने पानी में है और कौन जातिगत समीकरणों को साधकर बाजी मार ले जाएगा - इसका कच्चा-चिट्ठा इन सर्वे रिपोर्ट्स में दर्ज हो रहा है।

अब पैनल बनेगा, संभाग से लेकर प्रदेश और फिर दिल्ली के कोर ग्रुप तक फाइल जाएगी। भिलाई, रिसाली और चरोदा का यह मुकाबला महज एक चुनाव नहीं, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनावों का फाइनल सेमीफाइनल है। अब देखना यह है कि ऊँट किस करवट बैठता है और जनता किसके सिर पर ताज सजाती है।

पार्षदों की फेहरिस्त में



महेश वर्मा - चार बार के पार्षद, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष, जो पिछली बार नीरज पाल के खिलाफ पार्टी के मेयर उम्मीदवार थे और फरीदनगर के 1100 वोटों के पिछड़ने के बावजूद कोका-अवंती बाई बेल्ट से एकतरफा वोट बटोरकर जीत दर्ज करने का माद्दा रखते हैं।



भोजराज सिन्हा - नेता प्रतिपक्ष, जो निगम की बारीकियों को समझते हैं और हर मुद्दे पर सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक सबसे ज्यादा सक्रिय नजर आते हैं।



संतोष मौर्य - उत्तर भारत के वोट बैंक पर मजबूत पकड़ रखने वाले, और पेवर ब्लॉक घोटाले जैसे गंभीर मुद्दों को उठाकर पूरे पांच साल कांग्रेस की नींद उड़ाने वाले कद्दावर विपक्षी नेता।

महादेव सट्टा ऐप : सौरभ चंद्राकर ने पूछताछ में किए बड़े खुलासे

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार ईडी की कस्टोडियल रिमांड पर चल रहे सौरभ चंद्राकर ने पूछताछ में कई बड़े खुलासे किए हैं।

सूत्रों के मुताबिक सौरभ चंद्राकर ने पूछताछ में एबिक्स कंपनी के बारे में बड़ा खुलासा किया है। उसने बताया कि एबिक्स कंपनी को विकास गर्ग से बीमारू कंपनी के रूप में खरीदा गया था।

काली कमाई को सफेद करने का खेल : सूत्रों के अनुसार विकास गर्ग काली कमाई के पैसों को सफेद करने का काम करता था। कई कंपनियों के जरिये पैसे लगाकर काले धन को व्हाइट मनी में बदला जाता था।

प्रोटेक्शन मनी का भी खुलासा : पूछताछ में सौरभ ने प्रोटेक्शन मनी के बारे में भी कई खुलासे किए हैं। सूत्रों के मुताबिक महीने भर में हर 15 दिन में 50-50 लाख रुपये दिए जाते थे। बता दें कि सौरभ चंद्राकर 19 नवंबर तक ईडी की कस्टोडियल रिमांड पर है। ईडी की टीम उससे लगातार पूछताछ कर रही है।

छग सहित देश में लोहा, कोयला कारोबारी और कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर I.T की दबिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत देश में लोहा, कोयला कारोबारी और कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग की बड़ी दबिश जारी है। छत्तीसगढ़ के 6 जिलों में 32 ठिकानों पर एक साथ छापेमार कार्रवाई चल रही है। इस रेड में 120 आईटी अधिकारी शामिल हैं। एमपी और छत्तीसगढ़ के आईटी अधिकारी इस कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं। सभी ठिकानों पर 80 सशस्त्र सीआरपीएफ जवान भी तैनात किए गए हैं।

बारबारीक ग्रुप और PRA ग्रुप पर 15 घंटे से रेड : बारबारीक ग्रुप और PRA ग्रुप में पिछले 15 घंटों से आईटी की छापेमार कार्रवाई जारी है।

बैंक लॉकर और जेवरात का आंकलन : बड़ी संख्या में निजी बैंकों में बैंक लॉकर मिले हैं, जिन्हें गुरुवार सुबह खोला जाएगा। अहमदाबाद, मुंबई से आए ज्वेलर्स जेवरात का आंकलन कर रहे हैं।

क्या-क्या मिला ? : छापेमारी में फर्जी बिलिंग, बेनामी संपत्ति, शैल कंपनी, 14 करोड़ रुपये नगदी, सोने-चांदी के जेवरात समेत अन्य दस्तावेज मिले हैं। रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर, अंबिकापुर, सूरजपुर समेत सभी ठिकानों पर रेड जारी है। आयकर विभाग की छापेमारी 3-4 दिनों तक जारी रहने की संभावना है।

नौकरी का झांसा देकर 5 लाख की ठगी का आरोप, शिकायत के बाद SP का एक्शन

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

BJP नेत्री को परिवार परामर्श केंद्र से हटाया



नौकरी दिलाने के नाम पर 5 लाख रुपये लेने के आरोप में भाजपा नेत्री और परिवार परामर्श केंद्र की काउंसलर संतोषी दुबे को पद से हटा दिया गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संतोषी दुबे की काउंसलर पद पर नियुक्ति रद्द कर दी है। वहीं, शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के लिए ऊरद को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नौकरी दिलाने के नाम पर लिए 5 लाख रुपये : मिली जानकारी के अनुसार, कोरबा निवासी पारस जैन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संतोषी दुबे ने एक एनजीओ के माध्यम से पांच अलग-अलग स्थानों पर नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया था। इसके एवज में शिकायतकर्ता की ओर से संतोषी दुबे को चेक के माध्यम से 1.50 लाख रुपये दिए गए। वहीं, उनके एक सहयोगी को 3.50 लाख रुपये का भुगतान किया गया। इस तरह कुल 5 लाख रुपये दिए जाने का आरोप है। शिकायतकर्ता का कहना है कि काफी समय बीत जाने के बाद भी किसी को नौकरी नहीं मिली और न ही पैसे वापस किए गए।

SP ने तत्काल प्रभाव से रद्द की नियुक्ति : शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने प्रशासनिक कार्रवाई की है। उन्होंने परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलर के पद पर कार्यरत संतोषी दुबे की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है। संतोषी दुबे महिला थाना परिसर में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलर के रूप में जिम्मेदारी संभाल रही थीं। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी और अजाक थाना के डीएसपी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस की ओर से शिकायत में लगाए गए आरोपों और चेक के माध्यम से हुए वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है।

यूपी की सियासत में नया मोड़: योगी के गढ़ गोरखपुर में अखिलेश की हुंकार

2027 से पहले महिला वोटरों को साधने के लिए 'डायरेक्ट कैश' के दांव की तैयारी!

आलोक तिवारी / लखनऊ-गोरखपुर

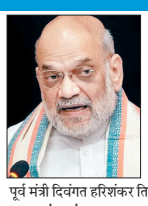





2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर में उतरकर सीधा सियासी संदेश देने की कोशिश की है। वहीं, सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस चुनौती की काट के लिए बड़ी चुनावी रणनीति पर काम कर रहे हैं।

गोरखपुर में अखिलेश का 20 किमी लंबा रोड शो और 'हाता' दांव : अखिलेश यादव ने गोरखपुर एयरपोर्ट से देवकली तक 20 किलोमीटर लंबा 'पीडीए रथ' रोड शो निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके समर्थकों ने बुलडोजर से उनका माल्यार्पण कर एक अलग सियासी संदेश देने की कोशिश की। रोड शो का अंतिम पड़ाव पूर्व मंत्री दिवंगत हरिशंकर तिवारी का पैतृक आवास 'हाता' रहा।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि हरिशंकर तिवारी के बेटों विनय शंकर तिवारी और भीष्म शंकर तिवारी से मुलाकात और योगी आदित्यनाथ के पुराने करीबी माने जाने वाले अजय सिंह उर्फ 'टप्पू' के सपा के साथ आने से अखिलेश गोरखपुर के पुराने सियासी समीकरणों को साधने की कोशिश कर रहे हैं। इसके जरिए सपा की नजर पूर्वांचल के ब्राह्मण और सामान्य वर्ग के उन मतदाताओं पर भी है, जो विभिन्न मुद्दों को लेकर नाराज बताए जा रहे हैं।

क्या कहते हैं पूर्वांचल के सियासी आंकड़े ? : गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया और महाराजगंज - इन चार जिलों की कुल 28 विधानसभा सीटों में से 27 पर फिलहाल भाजपा का कब्जा है। इसके अलावा इन जिलों के तहत आने वाली पांचों लोकसभा सीटें भी भाजपा के पास हैं। हालांकि, सपा को उम्मीद है कि जिस तरह गोरखपुर लोकसभा उपचुनाव में प्रवीण निषाद ने जीत दर्ज कर चौंकाया था, वैसा ही उलटफेर 2027 में भी किया जा सकता है। दूसरी ओर, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा की यात्रा पर तंज कसते हुए कहा है कि अखिलेश यादव कहीं भी यात्रा निकाल लें, समाजवादी पार्टी का भविष्य अंधकारमय है और 2047 तक उनके सत्ता में लौटने की कोई संभावना नहीं है।

अखिलेश के 'स्त्री सम्मान' के जवाब में योगी-शाह का नया प्लान ? : महिला वोटरों को अपने पाले में करने के लिए दोनों प्रमुख दलों के बीच बड़ी होड़ शुरू हो गई है।

सपा का वादा: अखिलेश यादव ने सरकार बनने पर 'स्त्री सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को सालाना 40,000 रुपये देने का ऐलान किया है।

भाजपा की संभावित रणनीति: बिहार, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में महिलाओं के खाते में सीधे पैसे भेजने की योजनाओं की सफलता के बाद अब उत्तर प्रदेश में भी इसी फॉर्मूले को लागू करने की चर्चा तेज है।

हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा महिलाओं के लिए 'बैणी भूली योजना' (दो किस्तों में प्रोत्साहन राशि) के जिक्र के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि यूपी सरकार भी चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान किस्तों में महिलाओं के खाते में सीधा पैसा भेजने की योजना ला सकती है। अब देखना यह होगा कि 2027 के चुनावी रण में अखिलेश यादव का 'पीडीए और ब्राह्मण' समीकरण कामयाब होता है या फिर योगी सरकार की संभावित महिला केंद्रित आर्थिक योजना बाजी पलट देती है।



नंदिनी नगर के बिछड़े बाशिंदों का ऐतिहासिक महामिलन 22 नवंबर को, देश-विदेश से पहुंच रहे पुराने निवासी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नंदिनियंस गेट-टुगेदर रियूनियन के माध्यम से जीवंत होंगी वर्ष 1958 से जुड़ी सुनहरी स्मृतियां

भिलाई स्टील प्लांट की खनिज नगरी नंदिनी में आगामी 22 नवंबर रविवार को यहां के पुराने रहवासी फिर एक बार जुट रहे हैं। बीते 70 सालों में अलग-अलग अवधि में यहां रहने के बाद देश-विदेश में बस चुके नंदिनी नगरवासी फिर एक बार यहां जुटेंगे और अपनों से मिलकर पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

यहां मंगल भवन में सुबह से शाम तक होने वाले इस ऐतिहासिक समारोह की तैयारियां अंतिम स्तर पर है और देश-विदेश से नंदिनीवासीय आयोजन में शामिल होने बेहद उत्साहित हैं। आयोजन समिति के मुताबिक बड़ी संख्या में पंजीयन हो चुका है और पुराने नंदिनीवासियों के आगमन को देखते हुए तमाम व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नंदिनियंस गेट-टुगेदर रियूनियन के आयोजन के अंतर्गत सभी लोग अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि की स्मृतियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक मंच पर एकत्रित होंगे।

गौरवशाली अतीत से पलायन तक का सफर

आयोजन समिति की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक वर्ष 1958 में नंदिनी नगर की स्थापना के साथ ही 'नंदिनी लाइमस्टोन माईंस' के माध्यम से हजारों परिवारों ने यहां अपने जीवन की नई शुरूआत की थी। समय के साथ यहां कई पीढ़ियां पली-बढ़ीं; लोगों ने यहीं अपना बचपन बिताया, शिक्षा ग्रहण की और जीवन के सुनहरे सपनों को आकार दिया। किंतु कालांतर में माइंस की औद्योगिक गतिविधियां सीमित होने और रोजगार की तलाश में यहां के निवासियों का देश-विदेश की ओर



पलायन शुरू हो गया। कभी हजारों लोगों की चहल-पहल से गुलजार रहने वाला यह नगर आज भौतिक रूप से भले ही वीरानगी और खंडहरों की ओर अग्रसर हो, लेकिन यहां की गलियों, विद्यालयों, खेल के मैदानों और सामूहिक उत्सवों की यादें आज भी पूर्व निवासियों के हृदयों में उतनी ही जीवंत हैं।

आयोजन की रूपरेखा और कार्यकारिणी का गठन

भौगोलिक दूरियों को मिटाकर नंदिनी परिवार की बिखरी हुई कड़ियों को पुनः जोड़ने के संकल्प के साथ इस भव्य रियूनियन की रूपरेखा तैयार की गई है। इस ऐतिहासिक आयोजन के सफल क्रियान्वयन और प्रबंधन हेतु एक विशेष कार्यकारिणी का गठन किया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से राघवेंद्र प्रताप सिंह, राजशेखर तिवारी, रविशंकर सिंह, विद्यानंद कुशवाहा, दिनेश नायर, एन.के. गुप्ता, देवेंद्र सिंह परिहार, आरती दीदी पाल एवं इंद्रजीत सिंह ठाकुर शामिल हैं।

उद्देश्य व भावनात्मक जुड़ाव

आयोजन समिति के अनुसार, इस समारोह का उद्देश्य केवल एक औपचारिक मिलन नहीं, बल्कि नंदिनी नगर की गौरवशाली विरासत को सहेजना, पुरानी पीढ़ी के अनुभवों को नई पीढ़ी के उत्साह से जोड़ना और पारिवारिक रिश्तों को नई ऊर्जा प्रदान करना है। आयोजन समिति के सदस्यों का कहना है कि नंदिनी नगर एक बार फिर अपने उन सभी अपनों को पुकार रहा है, जिन्होंने कभी इस मिट्टी को अपना घर कहा था। शहर की इमारतें भले ही समय के साथ धुंधली पड़ गई हों, लेकिन नंदिनी आज भी हजारों दिलों में धड़कता है और 22 नवंबर को उन्हीं दिलों का यह अविस्मरणीय मिलन होने जा रहा है।

खास खबर

भिलाई पहुंचे पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संजय विनायक जोशी, कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कौशल्या माता की जन्म भूमि और भगवान श्रीराम के ननिहाल की पावन धरा छत्तीसगढ़ में आदरणीय परम श्रद्धेय श्री संजय विनायक जोशी (पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री) का आगमन भिलाई में हुआ। भिलाई पहुंचने पर कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

इस दौरान कार्यकताओं ने उनसे सौजन्य भेंट एवं मुलाकात कर उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। स्वागत बेला में कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। स्वागत के अवसर पर संदीप गुप्ता नगरिया, आयुष जैन, नीतू गुप्ता, शारदा गुप्ता, पवन केसवानी, बंटी नाहर, जयप्रकाश घनघोडरकर, लीना सिन्हा, सुभाष शर्मा, राजू साहू, वरुण कमलेश बघेल, ज्योति दीदी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुपेला ओवरब्रिज पर आज से सस्पेंशन मरम्मत कार्य, यातायात में आंशिक परिवर्तन, भारी वाहन सर्विस रोड से जाएंगे



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नेशनल हाईवे सुपेला ओवरब्रिज पर सस्पेंशन मरम्मत कार्य के चलते यातायात में आंशिक परिवर्तन रहेगा। यातायात पुलिस दुर्ग ने इस संबंध में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। आज प्रातः 06 बजे से सुपेला ओवरब्रिज पर सस्पेंशन मरम्मत कार्य किया जाएगा। मरम्मत कार्य के दौरान रायपुर से दुर्ग की ओर जाने वाला सुपेला ओवर मार्ग वन-वे रहेगा।

छोटे चारपहिया एवं अन्य हल्के वाहनों का आवागमन निर्धारित ओवर ब्रिज मार्ग से जारी रहेगा, जबकि भारी वाहनों को मजार के पास सर्विस रोड से डायवर्ट किया जाएगा जो आगे प्रदर्शनी परिसर के पास नेशनल हाईवे में चलेंगे।

यातायात पुलिस दुर्ग ने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि नेशनल हाईवे सुपेला ओवरब्रिज पर सस्पेंशन मरम्मत कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था में किए गए अस्थायी परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं। कार्यस्थल पर अनावश्यक रुकने, जल्दबाजी एवं ओवरटेक करने से बचें। भारी वाहन चालक निर्धारित सर्विस रोड का ही उपयोग करें। वाहन चालकों से अपील है कि वे सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं एवं यातायात पुलिस द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें।

जनदर्शन में 79 आवेदन : 11 माह से नहीं मिली वृद्धावस्था पेंशन, बुजुर्ग ने कलेक्टर से लगाई गुहार



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर समुचित समाधान करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में संयुक्त कलेक्टर राहुल कुमार रजक भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 79 आवेदन प्राप्त हुए।

85 वर्षीय बुजुर्ग की गुहार

भिलाई निवासी 85 वर्षीय बुजुर्ग ने पिछले 11 माह से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि पेंशन बंद होने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शारीरिक रूप से कमजोर होने और आंखों से दिखाई नहीं देने के कारण परेशानी और बढ़ गई है। बैंक एवं नगर निगम में संपर्क करने के बावजूद समस्या का निराकरण नहीं हुआ। इस पर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जरूरतमंद गलियों में सीसी रोड की मांग

ग्राम पंचायत विनायकपुर के ग्रामीणों ने सीसी रोड निर्माण के लिए आवेदन दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में एक ऐसी गली का सीमेंटीकरण कराया जा रहा है, जिसका पांच वर्ष पहले निर्माण हुआ था और जो आज भी अच्छी स्थिति में है, जबकि कई गलियों में अब तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। कीचड़ और जलभराव के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने जरूरतमंद गलियों को प्राथमिकता देते हुए सीसी रोड निर्माण कराने की मांग की। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ऊंची नाली से जलभराव की शिकायत

नगर पालिका निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 52 श्याम नगर, बोरसी में बिल्डरों द्वारा नवनिर्मित मकानों के सामने कराए जा रहे नाली निर्माण को लेकर रहवासियों ने शिकायत की। निवासियों ने बताया कि नालियों का निर्माण निर्धारित स्तर से अधिक ऊंचाई पर किया जा रहा है, जिससे आसपास के मकानों की जल निकासी प्रभावित हो रही है। नाली ऊंची होने से मकानों का पानी नालियों में नहीं जा पा रहा है, जिससे जलभराव और बीमारियां फैलने की आशंका है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को निरीक्षण कर कार्यवाही करने को कहा।

आवासीय पट्टा नहीं मिलने की शिकायत

भिलाई नगर निगम जोन-1 अंतर्गत जुनवानी, खम्हरिया एवं वार्ड क्रमांक-1 के निवासियों ने आवासीय पट्टा वितरण योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। निवासियों ने बताया कि पट्टा सर्वे और दस्तावेज जमा करने के बावजूद कई पात्र हितग्राहियों के नाम पात्र-अपात्र सूची में शामिल नहीं किए गए। दावा-आपत्ति के बाद जारी सूची में भी कई लोगों के नाम नहीं मिले। उन्होंने नाम सूची में शामिल कर आवासीय पट्टा प्रदान करने की मांग की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को परीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

दीपावली मिलन समारोह में वरिष्ठों का सम्मान, भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई के निर्देश में पूरब मंडल वार्ड क्रमांक-58 में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सर्वेश्वर धाम मंदिर के सामने ए मार्केट सेक्टर-04 में आयोजित हुआ, जिसमें वार्ड में निवास करने वाले वरिष्ठों का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से युवा नेता मनीष पांडेय, जिला भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह, जिला सोशल मीडिया प्रभारी रिंकू साहू, मण्डल अध्यक्ष रोहित हीरामन साहू, केंथो उड़िया समाज से देवा साहू, जगबंधु साहू, मंडल महामंत्री एम पी सिंह, निर्मला नायडू, पार्षद ईश्वरी नेताम, दिनेश सिंह, वरिष्ठ नेता सीता मिश्रा, आलोक मिश्रा, गजानंद बंछोर, हल्दाकर सर, पंकज पाठक सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ गणों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में वरिष्ठों को सम्मानित कर उनका आशीर्वाद लिया गया। वक्ताओं ने दीपावली के पावन पर्व पर आपसी भाईचारा, एकता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। बड़ी संख्या में कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

श्याम बाबा के जन्मदिन पर निकलेगी विशाल भव्य निशान यात्रा रामनगर से कैलाश नगर खाटू श्याम मंदिर तक होगा आयोजन

भिलाई। श्याम बाबा के जन्मदिन के अवसर पर जय श्री श्याम विशाल भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा रामनगर से प्रारंभ होकर कैलाश नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर तक जाएगी। यात्रा का आयोजन 20 नवंबर, दिन शुक्रवार को प्रातः 08 बजे किया जाएगा। आयोजक दिनेश सेन ने सभी माताओं, बहनों, भाइयों, बड़े-बुजुर्गों एवं बच्चों को इस पावन यात्रा में सादर आमंत्रित किया है। श्याम भक्तों में यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

अहिवारा-संडी-मलपुरीकला-गिरहोला मार्ग का चौड़ीकरण हुआ शुरू

13.61 करोड़ की लागत से बनेगी 5.50 मीटर चौड़ी डामरीकृत सड़क

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में अहिवारा-संडी-मलपुरीकला-गिरहोला मार्ग के चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य की शुरूआत हो गई है। लोक निर्माण विभाग की इस परियोजना के तहत लगभग 7.60 किलोमीटर लंबे मार्ग को 13.61 करोड़ रुपये की लागत से वर्तमान 3.75 मीटर चौड़ाई से बढ़ाकर 5.50 मीटर डामरीकृत किया जाएगा। विभाग का दायित्व संभाल रहे उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में यह कार्य शुरू हुआ है।

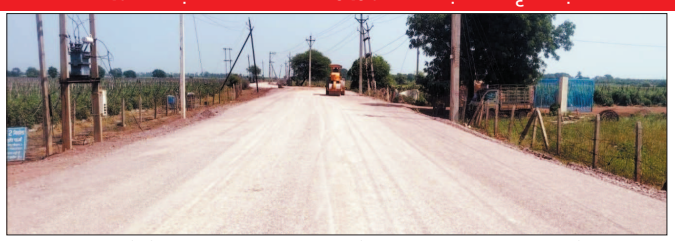

क्यों है यह मार्ग अहम?

पीडब्ल्यूडी के ई.ई. ए.के. भट्टाचार्य ने बताया कि यह मार्ग कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है और कृषि तथा औद्योगिक गतिविधियों के लिहाज से भी अहम माना जाता है। मार्ग के दोनों ओर कृषि आधारित उद्योग विकसित हो रहे हैं, जबकि क्षेत्र के किसान ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य बड़े वाहनों का उपयोग इसी मार्ग से करते हैं। सड़क कम चौड़ी होने से आवागमन में आ रही परेशानी को लेकर क्षेत्रवासी लंबे समय से चौड़ीकरण की मांग कर रहे थे। मार्ग किनारे स्कूल, ग्राम पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और स्थानीय बाजार भी स्थित हैं, जहां रोजाना बड़ी संख्या में विद्यार्थी, किसान, व्यापारी और ग्रामीण पहुंचते हैं।

किन गांवों को मिलेगा लाभ?

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार चौड़ीकरण से यातायात क्षमता बढ़ेगी, वाहनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होगी तथा कृषि उपज के परिवहन में सुविधा मिलेगी। परियोजना से अहिवारा, संडी, मलपुरीकला, डुमर, गोंड़ी, लहंगा, खपरी, सेमरिया, घटियाकला सहित आसपास के कई गांवों के नागरिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार तक पहुंच आसान होने के साथ व्यापार और रोजगार की संभावनाओं को भी गति मिलने की बात कही जा रही है।

2 लाख आंगनबाड़ी कार्यकताओं के सब्र का बांध टूटा थाली बजाकर सरकार को जगाने का किया गया ऐलान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अरुण वोरा ने किया आंदोलन का समर्थन, जायज मांगों पर तत्काल निर्णय की मांग

दुर्ग शहर के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किए जा रहे आंदोलन का समर्थन करते हुए प्रदेश सरकार से उनकी जायज मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की है।

अरुण वोरा ने कहा कि प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं वर्षों से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ बच्चों के पोषण, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, कुपोषण दूर करने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें आज भी सम्मानजनक मानदेय और सामाजिक सुरक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग 2 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं सेवाएं दे रही हैं, जबकि दुर्ग जिले में ही लगभग 3 हजार सहायिकाएं इस व्यवस्था का हिस्सा हैं। इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं के भविष्य और अधिकारों से जुड़ा यह मुद्दा सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ महिला सशक्तिकरण की बात करती है, वहीं



दूसरी तरफ हजारों आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महंगाई के इस दौर में इतने कम मानदेय में परिवार चलाना बेहद कठिन है। काम का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है, ऑनलाइन रिपोर्टिंग और नए-नए ऐप के माध्यम से अतिरिक्त जिम्मेदारियां दी जा रही हैं, लेकिन इसके अनुरूप आर्थिक सुविधाएं नहीं बढ़ाई जा रही हैं।

वोरा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं का नियमितीकरण, नियमितीकरण होने तक न्यूनतम 30 हजार रुपये मासिक मानदेय, सहायिकाओं की कार्यकर्ता पद पर पदोन्नति, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, 5जीमोबाइल और 500 रुपये इंटरनेट भत्ते जैसी मांगों पर सरकार को तत्काल सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। इसके साथ ही महतारी वंदन योजना के अतिरिक्त कार्यों के लिए अलग से प्रोत्साहन राशि दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जो महिलाएं प्रदेश के बच्चों का भविष्य संवारने और मातृशक्ति के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी उठा रही हैं, उनके अपने भविष्य को असुरक्षित छोड़ना उचित नहीं है। थाली बजाकर सरकार को जगाने की नौबत आना इस बात का संकेत है कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनने की जरूरत है।

अरुण वोरा ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों और आम जनता की आवाज सुननी चाहिए। केवल घोषणाओं और भाषणों से महिला सशक्तिकरण नहीं होगा, बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं को सम्मानजनक मानदेय, सुरक्षित भविष्य और उनके अधिकार देने से ही वास्तविक महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा।

चिट्टा सप्लाई करने वाले मुख्य सप्लायर सहित 2 गिरफ्तार, 4.22 लाख की मशरूका जप्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

चौकी स्मृतिनगर पुलिस ने मादक पदार्थों की अवैध बिक्री के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए चिट्टा/हेरोइन की बिक्री में संलिप्त मुख्य सप्लायर सहित 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 10.30 ग्राम चिट्टा/हेरोइन एवं अन्य सामग्री सहित कुल 4,22,200 रुपये की मशरूका जप्त की गई।

17.11.2026 को चौकी स्मृतिनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि इमली तालाब, कोहका क्षेत्र में एक व्यक्ति मादक पदार्थ चिट्टा/हेरोइन की अवैध बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर घेराबंदी कर आरोपी मृत्युंजय दुबे को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 3.58 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने विकास पाल, निवासी कृष्णा नगर, सुपेला से मादक पदार्थ खरीदकर रायपुर क्षेत्र में बिक्री करना बताया। प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने स्टील सिटी कॉलोनी में दबिश देकर विकास पाल को पकड़ा। उसके



कब्जे से 6.72 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया गया।

इस प्रकार दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 10.30 ग्राम चिट्टा/हेरोइन, 02 मोबाइल फोन, 02 दोपहिया वाहन एवं बिक्री की नगदी रकम सहित कुल 4,22,200 रुपये की मशरूका जप्त की गई। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी मादक पदार्थ के मुख्य सप्लायर से चिट्टा/हेरोइन प्राप्त कर दुर्ग-भिलाई एवं रायपुर क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर घूम-घूमकर इसकी अवैध बिक्री करते थे। कारोबार के लिए दोपहिया वाहनों का उपयोग किया जाता था तथा मोबाइल फोन के माध्यम से आपसी संपर्क एवं बिक्री संबंधी गतिविधियां संचालित की जाती थीं। जप्त सामग्री : चिट्टा/हेरोइन 10.30 ग्राम – 2,06,000 रुपये, रेडमी मोबाइल – 10,000 रुपये, वनप्लस मोबाइल – 15,000 रुपये, एक्टिवा – 80,000 रुपये, सुजुकी एक्सेस – 1,00,000 रुपये, नगदी 11,200 रुपये। कुल 4,22,200 रुपये। गिरफ्तार आरोपी में मृत्युंजय दुबे, उम्र 27 वर्ष, निवासी पचपेड़ी नाका, रायपुर। विकास पाल, उम्र 23 वर्ष, निवासी कृष्णा नगर, सुपेला, जिला दुर्ग।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2 दिन में 278 चालकों का चालान

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 37 चालक भी पकड़े गए, नो-पार्किंग में 127 वाहनों पर कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सघन चेकिंग एवं प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में विगत दो दिवस के दौरान रायपुर शहर के सभी 09 यातायात क्षेत्रों में 09 अलग-अलग स्थानों पर विशेष चेकिंग पॉइंट लगाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध व्यापक कार्यवाही की गई। इस दौरान विभिन्न यातायात नियमों एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत कुल 278 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई।

यातायात पुलिस द्वारा की जा रही इस कार्यवाही का प्रमुख उद्देश्य वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता एवं अनुशासन लाना, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना तथा आम नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना है।



कार्यवाही का विवरण

शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले – 37 वाहन चालक।
लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले – 20 वाहन चालक।
बिना नंबर प्लेट, आड़े-तिरछे नंबर अथवा गलत तरीके से नंबर लिखे वाहन – 23 वाहन चालक।
नो-पार्किंग में वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वाले – 127 वाहन चालक।
ई-रिक्शा एवं ऑटो में चालक के बगल में सवारी बैठाकर वाहन चलाने वाले – 16 वाहन चालक।
दोपहिया वाहन में तीन सवारी बैठाकर चलने वाले – 34 वाहन चालक।
कारों में ब्लैक फिल्म लगाकर वाहन चलाने वाले – 02 वाहन चालक।
मोटर व्हीकल एक्ट की अन्य धाराओं के उल्लंघन पर – 19 वाहन चालक।
कुल चालानी कार्यवाही – 278 वाहन चालक।

यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सघन चेकिंग एवं प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

यातायात पुलिस की अपील – समस्त वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें। शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही वाहन खड़ा करें, दोपहिया वाहन में तीन सवारी न बैठाएं, वैध एवं स्पष्ट नंबर प्लेट लगाएं का उपयोग करें तथा वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें।

खास खबर

यादव समाज की महिलाओं के अपमान के मामले में पुजारी नीरज शैनी जेल भेजा गया, अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद हुई कार्रवाई



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुरानी बस्ती स्थित शीतला माता मंदिर के पुजारी नीरज शैनी द्वारा यादव समाज की महिलाओं की आपत्तिजनक भाषा का बोर्ड लगाकर अपमानित करने के मामले में आज पुजारी नीरज शैनी को जेल भेज दिया गया है। कोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज होने के पश्चात यह कार्रवाई की गई।

एक माह पूर्व 18 अक्टूबर को पुरानी बस्ती थाना में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं यादव समाज के द्वारा इस मामले में ज्ञापन सौंपा गया था। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अजय यादव ने ऐसी मानसिकता के व्यक्ति को समाज के लिए घातक बताया और कहा है कि छत्तीसगढ़िया लोग सहनशील होते हैं लेकिन सहनशीलता को लोग मजाक बनाकर छत्तीसगढ़िया लोगों को लगातार अपमानित कर रहे हैं। संगठन आम छत्तीसगढ़िया लोगों से स्वाभिमानी बनने की अपील करता है।

नवजात शिशु की खरीद-फरोख्त का प्रयास करने वाली 3 महिला आरोपी गिरफ्तार

निःशुल्क प्रसव का झांसा देकर ओडिशा की महिला को रायपुर बुलाया, नवजात समेत बनाया बंधक

रायपुर। नवजात शिशु की खरीद-फरोख्त का प्रयास करने वाली 3 महिला आरोपियों को आजाद चौक पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने निःशुल्क प्रसव एवं उपचार कराने का झांसा देकर ओड़िशा निवासी गर्भवती महिला को रायपुर बुलाया और नवजात शिशु को बेचने की नियत से बंधक बना लिया था।

प्रार्थिया निवासी सुंदरगढ़ (ओड़िशा) ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई कि गर्भावस्था के दौरान उसका संपर्क रायपुर निवासी कृतिका साहू से हुआ, जिसने निःशुल्क प्रसव एवं उपचार कराने का झांसा देकर उसे रायपुर बुलाया। रायपुर आने पर कृतिका ने उसकी मुलाकात गीतिका एवं अहिल्या से कराई तथा उसे गोगांव स्थित अहिल्या के घर में ठहरा दिया। तीनों महिलाओं द्वारा प्रार्थिया की आर्थिक स्थिति का फायदा उठाकर उसके नवजात शिशु को किसी निःसंतान दंपति को बेचने के बदले मोटी रकम दिलाने का प्रलोभन दिया गया। प्रार्थिया के मना करने पर उसे डराया-धमकाया गया तथा 04.11.2026 को प्रसव के पश्चात नवजात शिशु सहित उसे पुनः अहिल्या के घर ले जाकर बंधक बनाकर रखा गया। आरोपियों द्वारा उसे धमकी दी गई कि प्रसव में हुए खर्च की भरपाई उसके बच्चे को बेचकर की जाएगी। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 307/26 धारा 140(3), 143(4), 318(4), 61 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना आजाद चौक पुलिस की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला आरोपी कृतिका साहू, अहिल्या नामदेव एवं गीतिका नाग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से प्रकरण के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी में कृतिका साहू पति स्व. सुमित कुमार साहू उम्र 34 साल निवासी आमापारा रामकुण्ड थाना आजाद चौक रायपुर, अहिल्या नामदेव पिता दीपक नामदेव उम्र 40 साल निवासी सीतानगर गोगांव थाना गुढियारी जिला रायपुर और गीतिका नाग पति चिंतामणी नाग उम्र 36 साल निवासी स्टोर पारा पुरैना भिलाई 03 थाना भिलाई 03 जिला दुर्ग है।

छत्तीसगढ़िया समाज के अपमानजनक बयान के मामले में मधुबाला गिरी की गिरफ्तारी की मांग, क्रान्ति सेना ने प्रदेशभर के थानों में सौंपा ज्ञापन



रायपुर। छत्तीसगढ़ एवं छत्तीसगढ़िया समाज के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक एवं धमकी भरे शब्दों का प्रयोग करने के मामले में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने आज प्रदेशभर के विभिन्न थानों में आरोपी मधुबाला गिरी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। क्रान्ति सेना के पदाधिकारियों ने विधानसभा थाना रायपुर ग्रामीण के मंदिरहसौद थाना, धरसींवा थाना, सिलतरा थाना के साथ धमतरी, मुंगेली, खैरागढ़, गंडई, बालोद, कबीरधाम, जांजगीर जिला आदि थानों में पहुंचकर थाना प्रभारियों को ज्ञापन सौंपा।

सेना द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि वीडियो में मधुबाला गिरी द्वारा छत्तीसगढ़िया समाज के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने के साथ ही धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया गया है। इससे छत्तीसगढ़िया समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है।

क्रान्ति सेना को प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित महिला के रायपुर से फरार होने की बात सामने आ रही है। संगठन ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि उपलब्ध वीडियो एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच कर तत्काल आरोपी की तलाश एवं गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा प्रकरण में लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता, स्वाभिमान और छत्तीसगढ़िया समाज के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का अपमानजनक व्यवहार स्वीकार नहीं किया जाएगा। संगठन ने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है।

रावघाट खदान में तीन दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का किया गया आयोजन

जनजातीय संस्कृति और परंपराओं का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / अंतागढ़

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट खदान द्वारा बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक विरासत तथा स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर ग्राम खोड़गांव, ग्राम भैया साल्हेभाट एवं डीएवी स्कूल, अंतागढ़ में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।



भैया साल्हेभाट में हुआ आयोजन

ग्राम भैया साल्हेभाट में आयोजित कार्यक्रम में जनपद सदस्य धनेश्वरी भट्टी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच प्यारे लाल उसेंडी, सोमनाथ उसेंडी, सुंदरू कुमेटी एवं बंशीलाल दुग्गा सहित आसपास के 37 गांवों के गायता, पटेल, पुजारी एवं सरपंचगण, बड़ी संख्या में ग्रामीण, स्कूली बच्चे तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत एवं जनजातीय लोक संस्कृति पर आधारित आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। उप महाप्रबंधक (रावघाट खदान) डॉ. यशवंत कुमार साहू ने स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि धनेश्वरी भट्टी ने आयोजन की सराहना करते हुए ऐसे कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई। वहीं, सहायक महाप्रबंधक (रावघाट खदान) उपेंद्र कुमार सिंह ने बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन तथा जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर 37 गांवों से आए पारंपरिक ग्राम प्रमुखों एवं रावघाट खदान में कार्यरत जनजातीय कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। अंत में उप महाप्रबंधक (रावघाट खदान) सचिन रंगारी ने आभार व्यक्त किया। श्रम कल्याण अधिकारी दौलतराम पोयाम ने कार्यक्रम का संचालन किया।

डीएवी स्कूल अंतागढ़ में समापन

तीन दिवसीय आयोजन की अंतिम कड़ी में डीएवी स्कूल, अंतागढ़ में आयोजित समारोह में स्थानीय विधायक विक्रम उसेंडी मुख्य अतिथि तथा नगर पंचायत अंतागढ़ के अध्यक्ष राधेलाल नाग विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत, दीप प्रज्वलन एवं बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य जी.के. साहू ने स्वागत उद्बोधन दिया। विद्यार्थियों ने जनजातीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं पर आधारित गीत-संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

मुख्य अतिथि विधायक विक्रम उसेंडी ने विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत विद्यालय के संचालन एवं क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यार्थियों से बिरसा मुंडा के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। नगर पंचायत अंतागढ़ के अध्यक्ष राधेलाल नाग एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के सहायक महाप्रबंधक उपेंद्र कुमार सिंह ने भी जनजातीय संस्कृति, अस्मिता एवं परंपराओं के संरक्षण के महत्व पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर अतिथियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा संयंत्र में कार्यरत जनजातीय कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।



कुंडा में उमड़ा सनातनियों का जनसमुद्र, कुंडी लगाने की धमकी देने वालों के दावों का क्या हुआ?



नई दृष्टिबिंदु / कुंडा-प्रतापगढ़

कुंडा में पिछले दो दिनों से राम नाम की गूंज है। बेंती राजभवन में चल रही बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की रामकथा में श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा है कि विरोध की सारी चुनौतियां और दावे उसी जनसमुद्र में कहीं खोते नजर आ रहे हैं।

रामकथा में उमड़ा सनातनियों का यह जनसैलाब उन तमाम लोगों के लिए एक बड़ा संदेश है, जो कभी सनातन का विरोध करते हैं, हिंदुत्व का विरोध करते हैं, कुंडा में कुंडी लगाने, रामकथा नहीं होने देने, कथा का विरोध करने और बाबा को कुंडा की धरती पर कदम नहीं रखने देने जैसी चुनौतियां दे रहे थे। किसी ने कहा था – रामकथा करा के दिखाओ! किसी ने कहा था – बाबा को कुंडा आने नहीं देंगे! किसी ने कथा में व्यवधान डालने की बात कही तो किसी ने विरोध के बड़े-बड़े दावे किए। लेकिन शायद इन लोगों ने यह अंदाजा नहीं लगाया था कि आस्था को चुनौती देने का परिणाम क्या हो सकता है!

अब विरोध नहीं, भीड़ संभालना चुनौती : आज कुंडा में जो दृश्य दिखाई दे रहा है, वह अपने आप में चर्चा का विषय है। रामकथा स्थल और आसपास का पूरा क्षेत्र श्रद्धालुओं के जनसमुद्र में तब्दील हो गया है। आयोजकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब विरोध नहीं, बल्कि उमड़ रही भीड़ के लिए व्यवस्था बनाए रखना है। हर पल व्यवस्थाएं बढ़ाई जा रही हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या के सामने हर व्यवस्था छोटी पड़ती नजर आ रही है। आयोजकों के दावों के मुताबिक, लाखों श्रद्धालु कुंडा पहुंच चुके हैं और बड़ी संख्या में लोग आसपास डेरा डाले हुए हैं।

सड़क मार्ग से लाने का संदेश : सबसे दिलचस्प बात यह है कि जिन लोगों की ओर से विरोध की चुनौतियां दी जा रही थीं, उनके सामने आयोजक राजा भैया ने भी चुनौती स्वीकार करने का अपना तरीका चुना। बाबा को सीधे हेलीकॉप्टर से कथा स्थल लाने के बजाय प्रयागराज एयरपोर्ट से सड़क मार्ग द्वारा कुंडा लाने का निर्णय इसी चुनौती के संदर्भ में देखा जा रहा है। यह केवल यात्रा का रास्ता नहीं, बल्कि उन आशंकाओं और विरोध की धमकियों के बीच आयोजन को आगे बढ़ाने का संदेश भी था।

लेकिन हुआ क्या? : रामकथा का आयोजन जारी है। श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। राम नाम की गूंज है। आस्था का उत्सव चल रहा है।

अब सवाल उन लोगों से है, जो कुंडा में कुंडी लगाने की बात कर रहे थे? जो कहते थे कि रामकथा होने नहीं देंगे? जो बाबा को कुंडा की सीमा में प्रवेश नहीं करने देने की हुंकार भर रहे थे? उनकी वे तमाम चुनौतियां और दावे आखिर कहां चले गए?

आस्था किसी के दबाव से पैदा नहीं होती और न ही धमकियों से समाप्त होती है। रामकथा किसी राजनीतिक या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का अखाड़ा नहीं होनी चाहिए। यह करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था और श्रद्धा का विषय है। विरोध करना किसी का लोकतांत्रिक अधिकार हो सकता है, लेकिन किसी धार्मिक आयोजन को रोकने की धमकी देना और श्रद्धालुओं की भावनाओं को चुनौती देना अलग बात है।

कुंडा का यह जनसमुद्र एक बात जरूर याद दिलाता है – बयान देना आसान है, लेकिन लाखों लोगों की आस्था को समझना उतना आसान नहीं। कुंडी लगाने की धमकी देने वालों को शायद अब समझ आ गया होगा कि कुंडा में ताला लगाने की बात करने से राम नाम की गूंज बंद नहीं होती! फिलहाल कुंडा में नफरत और धमकियों की नहीं, रामकथा और श्रद्धा की चर्चा है।

बैठक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 4 महत्वपूर्ण निर्णय

कैबिनेट के बड़े फैसले: गांवों में शुद्ध पेयजल के लिए नए नियम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

ग्रामीण नलजल के लिए नए नियम 2026 लागू

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ पंचायत (ग्रामीण नलजल संचालन, संधारण एवं प्रबंधन) नियम, 2026' के प्रारूप का अनुमोदन किया है।

इसके अंतर्गत पूर्व में लागू वर्ष 2024 के नियमों को निरस्त कर जल जीवन मिशन के राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नए नियम लागू किए जाएंगे। नवीन नियमों में भारत सरकार द्वारा सुझाए गए सभी 19 तकनीकी, प्रशासनिक एवं वित्तीय बिंदुओं को शामिल किया गया है।

एक हजार से कम आबादी वाली ग्राम पंचायतों में नलजल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के लिए 'मुख्यमंत्री नल जल अनुदान' के माध्यम से वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए ग्राम पंचायतों को प्रतिमाह न्यूनतम 50 प्रतिशत जल प्रभार का संग्रहण करना होगा।

वार्षिक जल प्रभार की 75 प्रतिशत से अधिक राशि का संग्रहण करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये 'मुख्यमंत्री नल जल प्रोत्साहन राशि' दिए जाने का प्रावधान किया गया है।



अबूझमाड़िया विद्यार्थियों के लिए 40.98 करोड़ का अनुदान

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप नारायणपुर में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) के अबूझमाड़िया विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा संचालित रामकृष्ण मिशन स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय को तीन वर्षों के लिए आवर्ती एवं अनावर्ती अनुदान स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया है।

इसके लिए छत्तीसगढ़ अशासकीय महाविद्यालय और संस्था (स्थापना एवं विनियमन) अधिनियम, 2006 के निर्धारित मापदण्डों में शिथिलीकरण को मंजूरी दी गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ इस महाविद्यालय के संचालन एवं अधोसंरचना विकास के लिए तीन वर्षों में लगभग 40.98 करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है।

राजनांदगांव में बाल सम्प्रेक्षण गृह के लिए भूमि आबंटन

राजनांदगांव जिले में बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन के निर्माण के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को भूमि आबंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके अंतर्गत राजनांदगांव तहसील के ग्राम कौरिनभांठा में राजगामी संपदा की खसरा क्रमांक 284 की 0.223 हेक्टेयर अर्थात 24,090 वर्गफीट भूमि आबंटित की जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल के संभागीय कार्यालय के लिए भूमि

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के राजनांदगांव में संभागीय कार्यालय की स्थापना के लिए भूमि आबंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अंतर्गत राजनांदगांव शहर के बल्देव बाग स्थित स्टेट हाईस्कूल परिसर की 264 वर्गमीटर भूमि माध्यमिक शिक्षा मण्डल को आबंटित की जाएगी।

संपादकीय

राजनीति में जो कहा, वही कसौटी बन जाता है

राजनीति में कई नेता ऐसे होते हैं जो बातें बड़ी बड़ी करते हैं लेकिन जब उस पर अमल करने का मौका आता है खुद अमल नहीं करते हैं तो जो जो बड़ी बड़ी बातें उन्होंने पिछले दिनों,महीनों या सालों में कही होती हैं,वही उनके लिए कसौटी बन जाती है और जनता उस कसौटी पर नेता को कसती है तो पाती है कि यह नेता तो वैसा नहीं है जैसा यह पहले कहा करता था,यह तो खुद को सब नेताओं से अलग कहता था,कहता था जो सब नेता करते हैं वह नहीं करेंगे लेकिन निरंतर सत्ता में रहने पर बाद में वह भी वही सब करने लगा तो जनता के सामने यह बात आईने की तरह साफ हो गई कि यह नेता भी कोई विशेष नेता नहीं,यह नेता भी आम नेताओं की तरह झूठ कहने का आदी है और जनता चुनाव में ऐसे नेता को अच्छा सबक सिखाती है ताकि दूसरे ऐसे नेता सावधान हो जाएं जो जैसे नहीं है,वैसा खुद को जनता के सामने न बताएं। दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ऐसे ही नेता थे, वह खुद का आदर्श नेता बताते थे,थे नहीं इसलिए जनता ने उनको उनके शीशमहल का आईना दिखाकर अच्छा सबक सिखाया है।

बड़बोले नेता को उसकी एक गलती कितनी महंगी पड़ती है,केजरीवाल का शीशमहल इसका अच्छा उदाहरण है। नेताओं को लगता है कि उनकी एक बार की गलती की सजा तो उनको मिल गई,अब उस गलती को अगले चुनाव तक जनता भूल जाएगी और अगले चुनाव में उसकी गलती की सजा नहीं मिलेगी।लेकिन नेताओं की कुछ गलतियां ऐसी होती हैं,उसके कारण एक नहीं कई बार जनता सजा देती है,बशर्ते उसकी गलती को हर चुनाव मे जनता को याद दिलाया जाए।भाजपा ने केजरीवाल के शीशमहल को केजरीवाल की सबसे बड़ी गलती के रूप में बनाए रखा है और उसे अब जनता के देखने के लिए खोलकर मास्टरस्ट्रोक चल दिया है। यानी केजरीवाल के शीशमहल को अब दिल्ली के लोग टिकट खरीदकर देखने जाएंगे। इससे एक तरफ को दिल्ली की भाजपा सरकार को आय होगी और दूसरे दिल्ली को जनता को याद आएगा कि केजरीवाल ने क्या कहा था और जब करने का मौका आया तो क्या किया।

पहले नेता की गलतियों को लोग एक चुनाव के बाद दूसरे चुनाव तक भूल जाते थे।लेकिन अब सोशल मीडिया का जमाना है, नेता जो कुछ कहते हैं,सब मिनटों मे लोगों को मिल जाता है, इसलिए अब चुनाव के वक्त वह सारी बातें सोशल मीडिया पर आ जाती है जो नेता ने पिछले कई चुनावों में कहा था और उस पर अमल नहीं किया या उसके विपरीत काम किया। यानी बातें ईमानदारी की और बेईमानी आम नेताओं से ज्यादा की ।कहा सत्ता मिलने पर साधारण फ्लैट रहेंगे और तीसरे चुनाव में जीत मिलने पर अपने लिए करोड़ो का शीशमहल बनवा लिया। जनता के बीच केजरीवाल ने खुद को आम लोगों का सीएम कहा लेकिन जब रहने के लिए शीशमहल बनवाया तो पोल खुल गई कि यह भी जनता के पैसे पर राजा की तरह रहना चाहता है। केजरीवाल को दूसरे सीएम की तरह बड़े बंगले, करोड़ों के घर में रहना था तो जनता से नहीं कहना था कि वह आम आदमी का सीएम है और आम आदमी के सीएम की तरह एक फ्लैट में ही रहेगा।

जनता को याद है कि 2013 में केजरीवाल के सीएम पर केजरीवाल व उनके छ मंत्रियों ने कहा था कि वह सरकारी बंगलों में नहीं रहेंगे,मामूली फ्लैट में रहेंगे,वीआईपी संस्कृति समाप्त करेंगे,सादगी से रहेंगे, भ्रष्टाचार खत्म करेंगे,सरकारी खर्च मे कटौती करेंगे। लेकिन तीसरे कार्यकाल में अपनी कही गई तमाम बातों के विपरीत केजरीवाल व आप नेताओं का आचरण रहा।शीशमहल उनके कहे के विपरीत आचरण का सबसे अच्छा उदाहरण है।भाजपा ने यह काम अच्छा किया है, उसके सीएम या नेताओं को शीशमहल में रहने का लोभ पैदा नहीं हुआ और उसे केजरीवाल के कहे के विपरीत आचरण के उदाहरण के रूप में बनाए रखा। अब दिल्ली सरकार ने फैसला किया है कि वह जनता को दिखाएगी की केजरीवाल ने कहा था कि वह सादगी से रहना चाहते हैं तो केजरीवाल की सादगी से रहने के लिए अपने निवास मे किस किस काम में करोड़ो रूपए कैसे खर्च किए थे।

दिल्ली की जनता टिकट लेकर देखेगी कि उसके पैसे का केजरीवाल ने कैसा इस्तेमाल आम आदमी के सीएम के रहने के लिए किया है। कितने करोड़ की कालीन है, कितने करोड़ के परदे हैं, बैठकी कितने करोड़ की है,किचन कितने करोड़ का है, लेट्रिन बाथरूम कितने करोड़ का है, देश से विदेशी सामान कौन कौन सा लगाया गया है इससे जनता को याद रहेगा अगले चुनाव तक केजरीवाल कैसा सीएम था यानी जनता से निरंतर झुठ बोलने वाला सीएम कोई है तो केजरीवाल है,यानी एक शीशमहल के कारण केजरीवाल एक चुनाव तो हारे ही हैं, दूसरा चुनाव दिल्ली में हारेंगे तो उसका एक कारण शीशमहल भी होगा। विरोधी की गलती का फायदा तो राजनीति में सब उठाते हैं लेकिन केजरीवाल की गलती का जैसा फायदा भाजपा उठाने जा रही है, वह देश की राजनीति में एक ऐसा उदाहरण जिसे भारतीय राजनीति में कम ही मिलता है, भाजपा के राजनीतिक दांव को ठीक समय पर चलने के लिए इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा और नेताओं के लिए सबक होगा कि आप जैसा कहते हो वैसा करो या फिर जैसा कर नहीं सकते वैसा कहो मत।

विपक्ष में पहले हिस्सेदारी की लड़ाई, फिर भाजपा से मुकाबला

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में 2027 की सत्ता की लड़ाई से पहले विपक्ष में सीटों का संग्राम छिड़ गया है। भाजपा को चुनौती देने से पहले तय हो रहा है कि गठबंधन में किसकी हैसियत कितनी है। कांग्रेस ने 403 विधानसभा सीटों में से 181 पर दावा ठोककर सपा के सामने चुनौती रख दी है। सपा सांसद राजीव राय ने मांग को अव्यावहारिक बताया और कहा कि सीट नहीं, जीत महत्वपूर्ण है। इमरान मसूद सभी 403 सीटों पर तैयारी का दावा कर रहे हैं। दल आपस में भरोसा क्यों नहीं बना पा रहे? कांग्रेस की 181 सीटों की मांग प्रदेश में खोई जमीन पाने की महत्वाकांक्षा है। रायबरेली और अमेठी के साथ लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ और सहारनपुर पर दावा बताता है कि पार्टी पुराने गढ़ों से आगे बढ़ना चाहती है। लेकिन सूची से संगठन खड़ा नहीं होता। कांग्रेस बताए कि कितने जिलों में सक्रिय ढांचा, कितने बूथों पर कार्यकर्ता और कितने जीतने योग्य उम्मीदवार हैं। गांधी परिवार की पहचान हर सीट पर वोट नहीं बनती। 181 का आंकड़ा अंतिम मांग है या बातचीत की शुरुआत, स्पष्ट नहीं है। संभव है कांग्रेस ऊंचा दावा रखकर सम्मानजनक हिस्सेदारी चाहती हो या 2027 को संगठन विस्तार का अवसर मानती हो। उसे बताना चाहिए कि कहां प्रदर्शन मजबूत रहा। महत्वाकांक्षा बोझ बन जाती है। खरगे के आवास पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, आराधना मिश्रा और इमरान मसूद की बैठक बताती है कि कांग्रेस गंभीर है। खरगे ने सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों को मुद्दा बताया। असली कसौटी सीटों पर सहमति और संगठन की तैयारी होगी। राहुल और प्रियंका उत्साह जगा सकते हैं, मगर चुनाव बूथ के कार्यकर्ता और स्वीकार्य उम्मीदवार से जीता जाता है।



राजीव राय का बयान साफ करता है कि सपा कांग्रेस को जीतने की क्षमता के आधार पर सीटें देना चाहती है। तर्क व्यावहारिक है, पर सपा अपनी सुविधा को गठबंधन का नियम नहीं बना सकती। अखिलेश 2024 के बाद विपक्ष के मजबूत क्षेत्रीय चेहरे हैं। नेतृत्व का अर्थ सहयोगियों को छोटा दिखाना नहीं। कम सीटें मिलीं तो कांग्रेस उपेक्षा कहेगी; ज्यादा मिलीं तो सपा के दावेदारों और छोटे सहयोगियों में असंतोष होगा। अखिलेश को गठबंधन की जरूरत समझनी होगी। इमरान मसूद कहते हैं कि कांग्रेस सभी 403 सीटों पर तैयारी कर रही है, लेकिन सीटों से ज्यादा जीत महत्वपूर्ण है। यह दबाव या संगठन सक्रिय करने का संदेश हो सकता है। अखिलेश के मुख्यमंत्री बनने पर आपत्ति न होने की बात गठबंधन का दरवाजा खुला रखती है। लक्ष्य साझा जीत है तो हर सीट पर तैयारी का दावा किसलिए? तैयारी करना अधिकार है, पर उसे ताकत बताकर हिस्सेदारी मांगना अलग बात है। आंकड़े बहस को जमीन देते हैं। 2022 में कांग्रेस 399 सीटों पर लड़ी, केवल दो जीती और उसे 2.33 प्रतिशत वोट मिले। सपा ने 347 सीटों पर लड़कर 111 सीटें और 32.06 प्रतिशत वोट पाए।

2017 में कांग्रेस 114 सीटों पर लड़कर सात जीती, जबकि सपा 311 पर लड़कर 47 पर सिमटी। भाजपा ने 39.67 प्रतिशत वोट के साथ 312 सीटें जीतीं। ये नतीजे कांग्रेस की कमजोरी और सपा की ताकत दिखाते हैं। पुराने नतीजे आज का अंतिम फैसला नहीं। कांग्रेस के पक्ष में 2024 का लोकसभा परिणाम है। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह जीतीं। सपा को 33.60 प्रतिशत और कांग्रेस को 9.46 प्रतिशत वोट मिले। दोनों ने भाजपा को 33 सीटों पर रोका। यह कांग्रेस की वापसी का संकेत है। मगर लोकसभा का मत प्रतिशत विधानसभा की 181 सीटों पर सीधे लागू नहीं हो सकता। स्थानीय उम्मीदवार, मुद्दे, जातीय समीकरण और बूथ प्रबंधन नतीजा तय करते हैं। छह लोकसभा सीटों की जीत 181 विधानसभा सीटों का अधिकारपत्र नहीं।

अखिलेश के सामने पीडीए की राजनीति को गठबंधन के साथ साधने की चुनौती है। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक मतदाता सपा की रणनीति के केंद्र में हैं। कांग्रेस भी सामाजिक न्याय की बात करती है। कई सीटों पर दोनों एक ही सामाजिक आधार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। टिकट जातीय गणित या नेताओं की पसंद से तय हुए तो कार्यकर्ता दूसरे दल के उम्मीदवार को अपना नहीं मानेंगे। असली परीक्षा साझा उम्मीदवार के लिए साझा मेहनत है। छोटे सहयोगियों को भूलना राजनीतिक भूल होगी। सपा-कांग्रेस 181 सीटों के दावे में उलझीं तो अन्य दलों के लिए जगह कहां बचेगी? क्षेत्रीय या सामाजिक प्रभाव रखने वाले सहयोगियों को भूमिका देनी होगी। वरना असंतोष, बगावत और दोस्ताना मुकाबले विपक्षी वोट बांट देंगे। सीटों के साथ प्रचार, संसाधन और कार्यकर्ता साझा करने की योजना जरूरी है। भाजपा को इस खींचतान से लाभ मिल सकता है। वह विपक्ष को कुर्सी और हिस्सेदारी के लिए लड़ता दिखाएगी।

बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेपर लीक और कानून-व्यवस्था पर सरकार को घेरने के बजाय विपक्ष सीटों में उलझा दिखाई देगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्वांचल तक अविश्वास नुकसान पहुंचा सकता है। भाजपा के पास सत्ता, संगठन, संसाधन और योगी आदित्यनाथ का चेहरा है। विपक्ष को रोजगार, खेती, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ठोस और विश्वसनीय कार्यक्रम देना होगा। सत्ता विरोधी नाराजगी अकेले जनादेश नहीं बनती। हर सीट का फैसला पिछले विधानसभा नतीजों, 2024 के क्षेत्रवार मतों, उम्मीदवार की स्वीकार्यता, बूथ संगठन, सामाजिक समीकरण और जीत के अंतर से होना चाहिए। जहां कांग्रेस मजबूत है, उसे सीट मिले; जहां सपा की पकड़ है, दावा उसका भी हो। कमजोर सीटों पर प्रतिष्ठा के लिए उम्मीदवार थोपना नुकसानदेह होगा। कांग्रेस 181 को अंतिम शर्त न बनाए और सपा सहयोगी को अपमानित न करे। सम्मान का अर्थ हर मांग मानना नहीं, बड़ी पार्टी होने का अर्थ आदेश देना भी नहीं।

कांग्रेस साबित करे कि वह संगठन और उम्मीदवार तैयार करने के लिए गंभीर है, केवल बड़ी सूची से मौजूदगी का विज्ञापन नहीं चाहती। सपा दिखाए कि वह गठबंधन का नेतृत्व कर सकती है और सहयोगियों को साथ रख सकती है। 2024 ने दोनों को अवसर दिया; 2027 में उसे दोहराने के लिए अहंकार नहीं, भरोसा चाहिए। जनता को विकल्प चाहिए। यदि विपक्ष अपनी हैसियत और हिस्सेदारी तय नहीं कर पाया, तो जनता उससे प्रदेश चलाने का भरोसा कैसे करेगी? भाजपा को हराने से पहले विपक्ष को अपनी जिद हरानी होगी।

परिसीमन और महिला आरक्षण पर संसद का विशेष सत्र !

गोपेन्द्र नाथ भट्ट

देश की राजनीति में नवंबर का अंतिम सप्ताह एक बार फिर महत्वपूर्ण घटनाक्रम का गवाह बन सकता है। संसद के विशेष सत्र को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। केंद्र सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण कानून को प्रभावी बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों पर विचार के लिए संसद की विशेष बैठक बुलाने की संभावनाएं तलाश रही है। हालांकि अभी विशेष सत्र की तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक और संसदीय गलियारों में नवंबर के अंत में बैठक बुलाए जाने की चर्चाएं हैं। वहीं संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना भी जताई जा रही है।

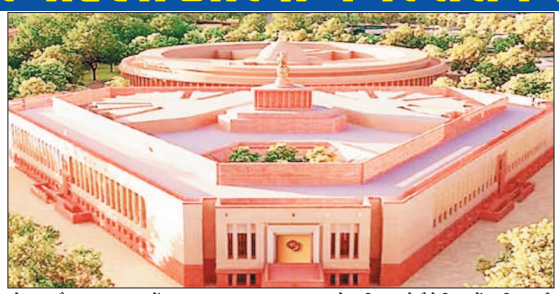

इस संभावित विशेष सत्र का सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था को 2029 के आम चुनाव से लागू करने की तैयारी है। इसके लिए परिसीमन से संबंधित विधायी प्रावधानों और संविधान संशोधन की आवश्यकता होगी।

गौरतलब है कि सितंबर 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। हालांकि इस कानून का क्रियान्वयन जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ा गया है। अब सरकार इसमें आवश्यक बदलाव कर इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है।

प्रस्तावित परिसीमन के तहत लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने की योजना चर्चा में है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की व्यवस्था के साथ विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व का विस्तार करना भी है। सरकार की ओर से राज्यों की सीटों में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि और 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच मौजूदा अनुपात को सुरक्षित रखने जैसे विकल्पों पर विचार की खबरें हैं। हालांकि इन प्रस्तावों का अंतिम स्वरूप अभी स्पष्ट नहीं है।

इस मुद्दे का सबसे संवेदनशील पहलू दक्षिण भारत के राज्यों का प्रतिनिधित्व है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों की चिंता है कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने के बावजूद यदि परिसीमन का आधार केवल नई जनसंख्या बनता है तो संसद में उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। इसलिए परिसीमन के साथ संघीय संतुलन बनाए रखना सरकार के सामने बड़ी चुनौती है।

दूसरी ओर विपक्ष महिला आरक्षण के पक्ष में रहते हुए भी इसे परिसीमन के साथ जोड़ने पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष की मांग है कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था को परिसीमन की प्रतीक्षा किए बिना लागू किया जाए। अप्रैल 2026 में इस दिशा में लाया गया संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका था।

संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए दोनों सदनों में विशेष बहुमत जरूरी है। वर्तमान लोकसभा की प्रभावी सदस्य संख्या के हिसाब से सरकार को कम से कम 361 मतों की आवश्यकता है। यही कारण है कि सरकार को सहयोगी दलों के अलावा विपक्षी दलों का समर्थन भी जुटाना होगा।

यह पूरा घटनाक्रम केवल महिला आरक्षण तक सीमित नहीं है। परिसीमन के माध्यम से संसद और विधानसभाओं का प्रतिनिधित्व, राज्यों के बीच राजनीतिक शक्ति का संतुलन और भविष्य की चुनावी राजनीति का स्वरूप भी प्रभावित होगा।

निस्संदेह, प्रस्तावित विशेष सत्र सरकार के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसदीय बहुमत की परीक्षा होगा। वहीं विपक्ष के लिए महिला अधिकारों के समर्थन और संघीय ढांचे की सुरक्षा के बीच अपनी राजनीतिक रणनीति स्पष्ट करने का अवसर होगा। देश की निगाहें अब संसद के अगले कदम पर टिकी हैं।

ढाका की बदलती बिसात और नई दिल्ली की कूटनीतिक परीक्षा

आशीक भाटिया

दक्षिण एशिया की राजनीति में इतिहास खुद को दोहराता नहीं है, बल्कि कई बार ऐसी करवट लेता है कि पुराने समीकरण धराशायी हो जाते हैं और नई चुनौतियां सामने आ खड़ी होती हैं। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा आगामी दिसंबर में स्वदेश लौटने की घोषणा और इसके तुरंत बाद उनके पैतृक जिले गोपालगंज सहित देश के विभिन्न हिस्सों में भड़की हिंसा ने एक बार फिर इस पड़ोसी देश को अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन और जनविद्रोह के बाद भारत में निर्वासित जीवन बिता रहीं उनासी वर्षीय शेख हसीना का यह कदम केवल एक व्यक्ति की घर वापसी की इच्छा भर नहीं है, बल्कि यह ढाका की नवनिर्वाचित तारिक रहमान सरकार की प्रशासनिक क्षमता, बांग्लादेश की न्यायिक व्यवस्था और भारत की विदेश नीति के सामने एक बेहद जटिल और संवेदनशील परीक्षा की घड़ी है।



हाल ही में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग में अपने वकीलों के माध्यम से नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र के लिए आवेदन करके शेख हसीना ने स्पष्ट कर दिया है कि वे कानूनी और राजनीतिक मोर्चे पर आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना चुकी हैं। यह जानते हुए भी कि नवंबर 2025 में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने जुलाई-अगस्त 2024 के प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के मामले में उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है, हसीना का अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का इरादा कई गहरे राजनीतिक निहितार्थ रखता है। दूसरी ओर, फरवरी के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने इस आवेदन को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें पासपोर्ट जारी करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने यह कहकर गेंद भारत के पाले में डाल दी है कि ढाका ने प्रत्यर्पण की सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और अब अंतिम निर्णय नई दिल्ली को लेना है। उन्होंने वर्ष 1973 के विशेष कानून का हवाला देते हुए यह भी दोहराया है कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को अपनी सजा के खिलाफ अपील करने का अधिकार नहीं मिल सकता।

इस राजनीतिक और कानूनी रस्साकशी का सीधा असर बांग्लादेश की सड़कों पर दिखाई देने लगा है। शेख हसीना की वापसी की खबर फैलते ही उनकी प्रतिबंधित पार्टी अवामी लीग और छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने गोपालगंज में जिस तरह सुरक्षा बलों के बख्तरबंद वाहनों में आग लगाई, पुलिस चौकियों में तोड़फोड़ की, सत्तारूढ़ बीएनपी के दफ्तरों को निशाना बनाया और अगस्त 2024 की क्रांति के स्मारकों को क्षतिग्रस्त किया, वह इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश का समाज अब भी गहरे ध्रुवीकरण का शिकार है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार को न केवल बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की कई टुकड़ियां तैनात करनी पड़ीं और जिले के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को हटाना पड़ा, बल्कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान को हालात की समीक्षा के लिए आपात कैबिनेट बैठक तक बुलानी पड़ी। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि अवामी लीग को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने और उसके नेताओं पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद, जमीनी स्तर पर हसीना का समर्थक वर्ग पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हुआ है।

किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिशोध की भावना जब संस्थागत रूप लेने लगती है, तो वह स्थायी शांति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है।

इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में भारत की स्थिति सबसे अधिक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण है। भारत ने दशकों तक शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश के साथ प्रगाढ़ रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध विकसित किए थे। वर्ष 2024 में जब हसीना को जान बचाकर ढाका छोड़ना पड़ा, तब भारत ने मानवीय आधार पर और एक पुराने मित्र के नाते उन्हें शरण दी। लेकिन आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। ढाका में एक नई निर्वाचित सरकार है, जिसके साथ भारत को अपने दीर्घकालिक हितों, पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संबंधों को बनाए रखना है। बांग्लादेश सरकार बार-बार यह संदेश दे रही है कि द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति और उच्च स्तरीय यात्राओं के लिए हसीना का प्रत्यर्पण एक आवश्यक शर्त है। कूटनीतिक सूत्रों से मिल रहे संकेतों के अनुसार, भारत भी इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए पर्दे के पीछे रास्ता तलाश रहा है, लेकिन नई दिल्ली ने हसीना की सुरक्षित वापसी के लिए दो स्पष्ट शर्तें सामने रखी हैं। पहली शर्त यह है कि जिस तरह वे अगस्त 2024 में बांग्लादेशी सेना की निगरानी में सुरक्षित भारत आई थीं, उसी तरह उनकी वापसी भी बांग्लादेश की सेना की सीधी निगरानी और सैन्य विमान के जरिए सुनिश्चित की जाए। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि ढाका की सरकार उनकी प्राण रक्षा की गारंटी दे और उन्हें मृत्युदंड के खिलाफ उच्च अदालत में अपील करने तथा निष्पक्ष सुनवाई का पूरा कानूनी अवसर प्रदान करे।

नई दिल्ली के लिए बिना इन शर्तों के किसी भी समझौते पर आगे बढ़ना संभव नहीं है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां कानून का शासन सर्वोच्च है। भारत के प्रत्यर्पण अधिनियम 1962 और वर्ष 2013 की भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के तहत किसी भी व्यक्ति को केवल राजनीतिक दबाव में दूसरे देश को नहीं सौंपा जा सकता। संधि के अनुच्छेद छह में स्पष्ट रूप से यह सुरक्षा कवच मौजूद है कि यदि प्रत्यर्पण का अनुरोध राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित प्रतीत होता है या संबंधित व्यक्ति के साथ निष्पक्ष न्याय न होने की आशंका है, तो भारत उस अनुरोध को अस्वीकार कर सकता है। यदि भारत बिना किसी ठोस कानूनी और सुरक्षा गारंटी के शेख हसीना को सौंपता है, तो इससे न केवल भारत की न्यायिक गरिमा पर प्रश्न उठेंगे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विश्वसनीय मित्र और शरणदाता के रूप में भारत की छवि भी प्रभावित होगी। वहीं, दूसरी ओर यदि भारत हसीना को अनिश्चितकाल तक अपने यहां रखता है और वे भारतीय धरती से राजनीतिक बयानबाजी जारी रखती हैं, तो ढाका में भारत-विरोधी भावनाओं को और हवा मिलेगी।

इस कूटनीतिक उलझन के बीच दिसंबर का महीना एक और कारण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बारह दिसंबर को भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि की तीस वर्ष की अवधि समाप्त होने जा रही है। यह संधि उस समय हुई थी जब शेख हसीना पहली बार प्रधानमंत्री बनी थीं। आज जब इस संधि के नवीनीकरण या पुनर्समीक्षा का समय निकट आ गया है, तब दोनों देशों के बीच संवादहीनता और अविश्वास की खाई गहरी होती दिख रही है। भारत के अपने राज्य, विशेषकर बिहार और पश्चिम बंगाल, सिंचाई, पेयजल और कोलकाता बंदरगाह की नौवहन क्षमता बनाए रखने के लिए गंगा के जल में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ, बांग्लादेश को अपने कृषि और पारिस्थितिक तंत्र को बचाने के लिए इस संधि की सख्त आवश्यकता है। यदि राजनीतिक तनाव के कारण जल संधि पर समय रहते सहमति नहीं बन पाती है, तो इसका सीधा नुकसान दोनों देशों के करोड़ों आम नागरिकों और किसानों को उठाना पड़ेगा।

बांग्लादेश के मौजूदा संकट का समाधान किसी एक व्यक्ति के प्रत्यर्पण या दमन में नहीं छिपा है, बल्कि समावेशी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली में निहित है। तारिक रहमान सरकार को यह समझना होगा कि अवामी लीग जैसे ऐतिहासिक राजनीतिक दल को पूरी तरह हाशिए पर धकेलकर और प्रतिशोध की राजनीति को बढ़ावा देकर देश में स्थिरता नहीं लाई जा सकती। न्यायिक प्रक्रिया तभी विश्वसनीय मानी जाती है जब आरोपी को अपना पक्ष रखने और निष्पक्ष सुनवाई का पूरा अवसर मिले। भारत के लिए भी यह समय अत्यधिक संयम, दूरदर्शिता और संतुलित कूटनीति का है। नई दिल्ली को कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग करते हुए ढाका की सरकार के साथ संवाद के रास्ते खुले रखने होंगे। दक्षिण एशिया की शांति और समृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि भारत और बांग्लादेश इतिहास के भावनात्मक बोझ और तात्कालिक राजनीतिक तनावों से ऊपर उठकर व्यावहारिक सहयोग की राह चुनें। पड़ोसी देशों के संबंध किसी एक नेता या दल के मोहताज नहीं होने चाहिए, बल्कि उनका आधार दोनों देशों के नागरिकों का साझा भविष्य और क्षेत्रीय स्थिरता होना चाहिए।

लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू



पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए। वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।



डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कर्जिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।

रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा



अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए रिवर्मिंग और फिर स्टीम सेशन।





'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 - उधिरमः द ब्लड टुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है।' 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.



जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रैंचाइजी होगी।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ



अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

सीए 'सैंडपेपरगेट कांड' एक फोरम बनाएगा



होबार्ट । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने वाली बन गई है। हमारा मानना ??है कि अब सर्किट बेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है।' डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे।'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है।

स्मैट 2026: बंगाल ने झारखंड को 7 विकेट से हराया

आंध्र-छत्तीसगढ़ और बिहार ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली । सैयद मुश्ताक अली (स्मैट) एलीट 2026 में बुधवार को बंगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 7 विकेट से हराया। वहीं, बिहार, आंध्र और छत्तीसगढ़ ने भी जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा : ग्रुप डी के मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 228 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान विकल्प तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की दमदार पारी खेली। 229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सर्वाधिक 57 रन कार्तिक बिस्वाल ने बनाए। आंध्र बनाम केरल : आंध्र ने ग्रुप सी के मुकाबले में केरल को 29 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आंध्र ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाए। टीम की तरफ से सीरम वेंकट राहुल ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि शेख रशीद ने 39 गेंदों में 60 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में केरल की टीम 5 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी।



पहला टेस्ट आज से



WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?



वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।

'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।

ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।

उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स । निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार



फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।

दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलियानो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

फुटबॉल: भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप



नई दिल्ली । भारत ने मंगलवार को कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुआॅन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार-बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुआॅन गंगटे के पास नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया।

फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस-पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।



टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।

अवैध धान परिवहन और विक्रय पर रखें अपनी कड़ी नजर- कलेक्टर तनुजा सलाम

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं एवं शासकीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत उज्ज्वल पोरवाल, अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, एसडीएम सुश्री शुभांगी गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती सलाम ने जिले में धान खरीदी के सुचारू संचालन के लिए सभी नोडल अधिकारियों को अनिवार्य रूप से धान उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपार्जन केंद्रों में धान की नमी, गुणवत्ता, स्टैकिंग व्यवस्था एवं किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेने को कहा। साथ ही किसानों द्वारा पिछले खरीफ सीजन में बेचे गए धान की मात्रा का मिलान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी छोटे एवं सीमांत किसानों के धान विक्रय पर विशेष ध्यान दें। इसके साथ ही पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता एवं धान की व्यवस्थित स्टैकिंग सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने तहसील स्तर पर गठित उड़नदस्ता दलों को प्राप्त शिकायतों की जांच करने एवं अवैध धान परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त बिचौलियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य की सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध धान परिवहन की आशंका को देखते हुए सीमावर्ती धान उपार्जन केंद्रों में विशेष निगरानी रखने तथा चेक पोस्ट पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



कलेक्टर श्रीमती सलाम ने बस्तर मुन्ने अभियान के अंतर्गत जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों की एंट्री एवं प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए स्पेशल क्लोजर तथा सकारात्मक एवं नकारात्मक फीडबैक की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को लंबित शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के विरुद्ध हुई प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को बेहतर कार्ययोजना तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने तथा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। साथ ही बैंकों द्वारा स्वीकृत एवं लंबित ऋण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके।

कलेक्टर श्रीमती सलाम ने वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत आगामी कार्ययोजना में शामिल किए जाने वाले कार्यों के संबंध में सभी विभागों को अपने-अपने स्तर पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र एवं उपयोगी विभागीय कार्यों को शामिल किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल सके। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी को जिले के स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान स्कूल भवनों की स्थिति का विशेष रूप से आकलन किया जाए। जर्जर एवं मरम्मत योग्य स्कूल भवनों को चिन्हांकित कर आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार करें, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

खास खबर

किसान तुलसराम चंद्रवंशी ने घर बैठे मोबाइल से काटा धान विक्रय का टोकन, उपार्जन केंद्र में बेचा 50 क्विंटल धान



नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

खेती-किसानी में किसान की मेहनत पूरे साल लगी रहती है। फसल तैयार होने के बाद उसे सही समय पर बेचने के लिए टोकन प्राप्त करना और उपार्जन केंद्र तक धान पहुंचाना भी एक जरूरी प्रक्रिया होती है। अब छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन टोकन सुविधा से किसानों को इस प्रक्रिया में काफी सहूलियत मिल रही है। इसका लाभ ग्राम चरडोनगरी निवासी तुलसराम चंद्रवंशी को भी मिला है।

तुलस राम चंद्रवंशी के पास कुल 9 एकड़ 60 डिसमिल कृषि भूमि है, जिसमें उन्होंने 4 एकड़ 50 डिसमिल में धान की खेती की है। इस सीजन में उन्हें कुल 96 क्विंटल धान का विक्रय करना है। उन्होंने तुहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे अपने मोबाइल से 50 क्विंटल धान का ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया और उपार्जन केंद्र ग्राम कोठार पहुंचकर अपना धान समर्थन मूल्य पर बेचा। वे बताते हैं कि अब टोकन प्राप्त करने के लिए समिति तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती। मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ही टोकन मिल जाता है। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होती है।

तुलस राम चंद्रवंशी ने बताया कि ग्राम कोठार के उपार्जन केंद्र में किसानों की सुविधा के लिए अच्छी व्यवस्था मिली। वहां पीने के पानी, छाया और बारदानों की उपलब्धता रही, जिससे धान विक्रय का काम आसानी से पूरा हो गया। तुलस राम चंद्रवंशी कहते हैं कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों के सम्मान और सुविधा का ध्यान रखा है। अब धान बेचने के लिए टोकन लेने की चिंता नहीं रहती। मोबाइल से ही घर बैठे टोकन मिल जाता है और उपार्जन केंद्र में भी जरूरी सुविधाएं मिल रही हैं। इससे हम किसानों का समय और मेहनत दोनों बच रहे हैं। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

अवैध धान परिवहन और भंडारण पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई



रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही महासमुंद जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमें जिलेभर में सतत निगरानी कर रही हैं। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1 नवम्बर से 17 नवम्बर 2026 तक जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के कुल 19 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन प्रकरणों में कुल 3464 कट्टा धान, जिसकी मात्रा लगभग 1385 क्विंटल है, जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त दो पिकअप वाहन भी जब्त किए गए हैं। जब्त धान में रबी फसल का धान, बिना वैध दस्तावेजों के परिवहन किया जा रहा धान तथा मंडी अधिनियम के उल्लंघन से संबंधित मामले शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान ओडिशा के दो व्यवसायियों का धान भी पकड़ा गया है।

कलेक्टर श्री लंगेह के निदेर्शानुसार जिले में निगरानी और जांच के लिए 15 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। इन चेक पोस्टों के माध्यम से दूसरे राज्यों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों से आने-जाने वाले धान के परिवहन पर लगातार नजर रखी जा रही है। राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से जांच कर रहे हैं तथा अनियमितता पाए जाने पर तत्काल जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध धान खरीदी, परिवहन एवं भंडारण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपने पंजीकृत रकबे के अनुसार ही धान विक्रय के लिए उपार्जन केंद्रों में लाएं तथा धान विक्रय के दौरान आवश्यक नियमों का पालन करें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बरसात के बाद फिर शुरू हुई भोरमदेव जंगल सफारी

पर्यटकों को मिल रहा प्रकृति और रोमांच का अनूठा अनुभव

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ सरकार की इको-टूरिज्म पहल के तहत विकसित भोरमदेव जंगल सफारी बरसात के बाद एक बार फिर पर्यटकों के लिए शुरू हो गई है। जंगल सफारी प्रकृति प्रेमियों और रोमांच के शौकीनों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। कबीरधाम जिले सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों और देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले पर्यटक यहां जंगल की प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीवों को करीब से देखने का आनंद ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप तथा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विकसित यह जंगल सफारी प्रकृति, रोमांच और स्थानीय विकास का बेहतर संगम बन रही है। इसके माध्यम से भोरमदेव क्षेत्र को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान मिल रही है, वहीं स्थानीय युवाओं, वन प्रबंधन समिति और स्व-सहायता समूहों को रोजगार एवं आमदनी के नए अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

वन मंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल ने बताया कि भोरमदेव जंगल सफारी की शुरूआत से स्थानीय लोगों को रोजगार और आय के नए अवसर मिले हैं। सफारी परिसर में स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित कैंटीन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसके संचालन से समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रोत्साहन मिला है। बरसात के बाद जंगल सफारी फिर शुरू होने से पर्यटकों को एक बार फिर भोरमदेव के प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों के बीच रोमांचक अनुभव लेने का अवसर मिला है।

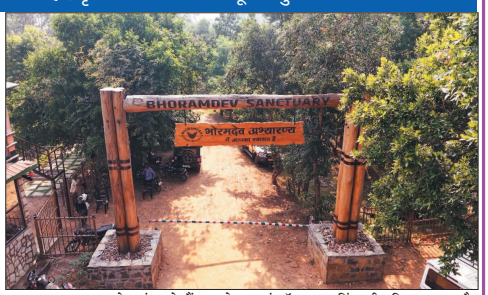

जंगल सफारी के साथ प्राकृतिक उद्यान भी पर्यटकों की पसंद

भोरमदेव जंगल सफारी के साथ यहां स्थित प्राकृतिक उद्यान भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। जंगल सफारी का आनंद लेने वाले पर्यटकों के अलावा बड़ी संख्या में लोग प्राकृतिक उद्यान का भ्रमण करने पहुंच रहे हैं। इससे भोरमदेव क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है और यह क्षेत्र प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बना रहा है।

36 किलोमीटर के सफर में वन्यजीवों और पक्षियों का दीदार

करीब 36 किलोमीटर लंबे जंगल सफारी मार्ग में पर्यटकों को अनेक वन्यजीवों और पक्षियों को देखने का अवसर मिलता है। सफारी के दौरान भारतीय गौर, भालू, नीलगाय, सांभर, कोटरी (बार्किंग डियर), बाघ के पदचिह्न (टाइगर पगमार्क), जंगली मुर्गा, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी और रंग-बिरंगी तितलियां पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। घने जंगल, ऊंची पहाड़ियां और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर वातावरण पर्यटकों की जंगल यात्रा को रोमांचक और यादगार बनाता है।

भोरमदेव जंगल सफारी के लिए अब घर बैठे कर सकते हैं ऑनलाइन बुकिंग

भोरमदेव जंगल सफारी का रोमांच लेने के इच्छुक पर्यटकों के लिए अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अब पर्यटक घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से जंगल सफारी की बुकिंग कर सकते हैं। इसके लिए पर्यटकों को आधिकारिक वेबसाइट ईवतंउकमअूसेण्बवउ पर जाना होगा, जहां ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। भोरमदेव के प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों और वन्यजीवों को करीब से देखने का अवसर पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र है। जंगल सफारी के माध्यम से पर्यटक प्रकृति के बीच रोमांचक सफर का आनंद ले सकते हैं। पर्यटक अपनी सुविधानुसार वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इससे पर्यटकों को बुकिंग के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं होगी और वे पहले से अपनी सफारी की योजना बना सकेंगे।

इको-टूरिज्म के क्षेत्र में भोरमदेव की बढ़ती पहचान

वन मंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल ने बताया कि लगभग 352 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले भोरमदेव अभयारण्य में 36 किलोमीटर लंबा जंगल सफारी मार्ग विकसित किया गया है। सफारी का मुख्य प्रवेश द्वार भोरमदेव मंदिर के पास करियाआमा क्षेत्र में स्थित है, जहां से पर्यटक अपनी जंगल यात्रा प्रारंभ करते हैं। इस सफारी के माध्यम से पर्यटकों को छत्तीसगढ़ के समृद्ध वन, वन्यजीव, जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने का अवसर मिल रहा है। साथ ही पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय लोगों की आजीविका को भी मजबूती मिल रही है।

संविधान रक्षा मार्च में जुटेगी कांग्रेस, वोट रक्षक अभियान को लेकर भी बनी रणनीति



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में 26 नवंबर को संविधान दिवस पर आयोजित होने वाले प्रदेशव्यापी संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक बैठक मंगलवार को सतनाम भवन में हुई। बैठक में मार्च को सफल बनाने और बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई। पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपते हुए तत्काल तैयारियों में जुटने के निर्देश दिए गए।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि कांग्रेस का वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान अब अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। संविधान दिवस पर आयोजित प्रदेश स्तरीय संविधान रक्षा मार्च लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा। इसमें जिलेभर के कांग्रेसजनों के शामिल होंगे जिसे लेकर तैयारियां आरंभ कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष वोट रक्षक अभियान है। इसके तहत मतदाता सूची की शुद्धता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा के लिए संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कार्यकताओं को वोट रक्षक अभियान की प्रक्रिया, मतदाता सत्यापन और निगरानी की जिम्मेदारी समझनी होगी। इसके लिए निर्धारित पोर्टल के माध्यम से जानकारी जुटाने और मंडल स्तर पर वोट रक्षकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में तय किया गया कि जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लाक कांग्रेस कमेटी, प्रकोष्ठों और विभागों के पदाधिकारी अपने-अपने स्तर पर जनसंपर्क कर अधिकाधिक कांग्रेसजनों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। विभिन्न हितधारकों को जोड़ने के लिए जिला स्तर पर लक्ष्य निर्धारित कर संगठनात्मक तैयारियां की जाएंगी। मुदलियार ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अभियान को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित, 150 युवाओं ने दिखाया दमखम

कबड्डी, गोला फेंक, दौड़, रस्साकशी एवं फुगड़ी प्रतियोगिता में युवाओं ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

मेरा युवा भारत, कवर्धा (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में नवीन शासकीय महाविद्यालय कुंडा में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 150 युवाओं एवं युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में युवाओं के लिए कबड्डी, गोला फेंक एवं 400 मीटर दौड़ तथा युवतियों के लिए रस्साकशी, फुगड़ी एवं 100 मीटर दौड़ आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ हिस्सा लिया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में शारीरिक दक्षता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और खेलों के प्रति रुचि विकसित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की जनभागीदारी एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष परषोत्तम निर्मलकर उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं को खेल गतिविधियों से जुड़ने तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।



कार्यक्रम का नेतृत्व माय भारत यूथ वॉलंटियर रोहित रजक एवं रुद्रचरण यादव ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ऋचा मिश्रा का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं अतिथियों में केशव प्रसाद जायसवाल, डॉ. कृष्णा कार्की, डॉ. धर्मेंद्र चंद्रवंशी, गुलशन चंद्राकर, झगर कुमार साहू, विकास जोशी, सुश्री गुलाबा धृतलहरे, सुश्री अनिता देवांगन, सुश्री माया भास्कर, श्रीमती जिज्ञासा पात्रे, सुश्री दिव्या भारती कुर्रे, धनंजय चंद्रवंशी (क्रीड़ा अधिकारी), चंद्रभूषण चंद्रवंशी, सुश्री अंजू रजक एवं सौरभ धावलकर उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा अन्य युवाओं को भी खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी श्री राज पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

नशामुक्त युवा अभियान के तहत दिलाई गई शपथ

खेलकूद प्रतियोगिता के साथ युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत 100 सप्ताह के नशामुक्त युवा संकल्प अभियान का संदेश भी दिया गया। इस दौरान उपस्थित युवाओं को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।

धान खरीदी

अवैध धान के भंडारण और परिवहन पर प्रशासन का कड़ा रुख, कलेक्टर ने किया पाटेकोहरा बैरियर का औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने पाटेकोहरा बैरियर का किया औचक निरीक्षण, दो वाहनों से 1082 कट्टा धान जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



राजनांदगांव जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य बेहद सुचारू और उत्साहपूर्ण माहौल में जारी है। जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में किसान अपनी उपज लेकर पहुंच रहे हैं, जहां जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। धान खरीदी के तीसरे दिन 17 नवंबर को 119 उपार्जन केंद्रों के लिए 1196 टोकन जारी किए गए थे, जिसके तहत 4,831.51 मीट्रिक टन धान का पंजीयन हुआ था। जारी टोकन के विरुद्ध 1128 किसानों ने 4,267.76 मीट्रिक टन धान का विक्रय किया। इस प्रकार टोकन प्राप्त करने वाले 94.31 प्रतिशत किसानों ने आज अपना धान बेचा। इसके साथ ही, जिले में धान खरीदी शुरू होने के बाद से अब तक तीन दिनों के भीतर कुल 2886 किसानों से 10,610.64 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के सख्त निदेर्शों के बाद जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाए रखने और अवैध धान के भंडारण, परिवहन व उपार्जन केंद्रों में इसे खपाने के प्रयासों पर रोक लगाने के लिए राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में आज 17 नवंबर को जिले में अवैध धान के 8 नए प्रकरण दर्ज कर कुल 921.60 क्विंटल धान और 2 वाहन जब्त किए गए।

अन्य राज्यों से जिले में अवैध धान के परिवहन को रोकने के लिए अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित चेकपोस्टों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने आज छुरिया विकासखंड के अंतरराज्यीय चेकपोस्ट पाटेकोहरा बैरियर का औचक निरीक्षण किया। वाहनों की जांच के दौरान वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर 2 वाहनों से कुल 1082 कट्टा (लगभग 595.40 क्विंटल) धान जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। कलेक्टर ने बैरियर पर तैनात कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अन्य राज्यों से आने वाले प्रत्येक वाहन की गहन जांच की जाए और उसकी पूरी जानकारी रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए। उन्होंने अवैध परिवहन पर सतत निगरानी बनाए रखते हुए कड़ी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

जिले में अवैध धान के खिलाफ चलाए जा रहे ताबड़तोड़ अभियानों के तहत कई स्थानों पर कार्रवाई की गई है जिसमें सिंघोला (राजनांदगांव): मंडी राजनांदगांव द्वारा 2 अलग-अलग प्रकरणों में 428 कट्टा (171.20 क्विंटल) धान जब्त किया गया। उपार्जन केंद्र सुरगी एवं मचानपार: यहां 2 प्रकरणों में 165 कट्टा (66 क्विंटल) धान जब्त हुआ। मोहारा (राजनांदगांव): एक पोल्ट्री उद्योग के परिसर से 125 कट्टा (50 क्विंटल) धान जब्त किया गया। कोलिहापुरी उपार्जन केंद्र: ग्राम पटपर के एक व्यक्ति द्वारा 100 क्विंटल धान विक्रय के लिए लाया गया था। राजस्व विभाग के भौतिक सत्यापन में उसके रकबे में केवल 61 क्विंटल धान के बराबर फसल पाई गई। शेष 98 कट्टा (39 क्विंटल) धान का संतोषजनक जवाब न मिलने पर उसे जब्त कर लिया गया।

जिले में अवैध धान के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के आंकड़ों के मुताबिक, 16 नवंबर तक 5 प्रकरणों में 456.40 क्विंटल धान जब्त किया गया था। वहीं 17 नवंबर के नए मामलों को मिलाकर अब तक कुल 13 प्रकरणों में 1378 क्विंटल धान, 3039 नग बारदाना और 2 वाहन जब्त किए जा चुके हैं। जिला प्रशासन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि वास्तविक किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बनी रहे।

निधन

रामसुख देवांगन



राजनांदगांव। अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि चंद्र प्रकाश किरण के पिता रामसुख देवांगन का स्वर्गवास हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा 19 नवंबर को सुबह 10 बजे निज निवास चंदन नगर, मोतीपुर, राजनांदगांव से मोतीपुर मुक्तिधाम के लिए निकली। मोतीपुर मुक्तिधाम में सामाजिक रीति-रिवाज से उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान शहर के गणमान्य नागरिक और ग्राम सोमनी से भी नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी।

29 नवंबर से दुर्ग में पं. युवराज पाण्डेय जी की भागवत कथा, मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया कथा स्थल का भूमिपूजन



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर के बैगापारा मिनी स्टेडियम में आगामी 29 नवंबर से 5 दिसंबर तक सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शीतला सेवा समिति के सहयोग से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में पूज्य पं. युवराज पाण्डेय जी के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

आयोजन की तैयारियों के क्रम में आज कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान से कथा स्थल का भूमिपूजन कर आयोजन की सफलता एवं निर्विघ्न संपन्नता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, यातायात एवं सुरक्षा सहित आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात मंत्री श्री यादव ने आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैगापारा एवं बघेरा में श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन के लिए बनाए गए कार्यालयों का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने आयोजन की तैयारियों एवं जनसहभागिता को लेकर समिति के सदस्यों से चर्चा भी की।

इस दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव प्रभात फेरी में सम्मिलित हुए और क्षेत्रवासियों के साथ घर-घर पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन का आमंत्रण दिया। उन्होंने दुर्गवासियों से इस पुनीत धार्मिक आयोजन में अन्नदान के माध्यम से सहयोग करने तथा अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का माध्यम है। ऐसे आयोजन समाज में सद्भाव, सेवा, सहयोग और भक्ति की भावना को बढ़ावा देते हैं। दुर्गवासियों की सामूहिक सहभागिता से यह आयोजन भव्य एवं यादगार बनेगा।



भिलाई की सड़कों पर जल्द दौड़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें, ट्रायल के लिए पहुंची पहली ई-बस

भिलाई। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को सस्ती, सुलभ एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में ई-बस सेवा प्रारंभ की जा रही है। इसी कड़ी में नगर पालिक निगम भिलाई को कुल 50 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की स्वीकृति प्राप्त हुई है। शासन के निर्देशानुसार प्रथम चरण में 20 ई-बसों को सड़कों पर संचालित करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए निगम द्वारा विभिन्न मार्गों का रूट चार्ट भी तैयार कर लिया गया है। ई-बस सेवा प्रारंभ करने की दिशा में आज नगर पालिक निगम भिलाई को ट्रायल के लिए एक इलेक्ट्रिक बस उपलब्ध कराई गई। बस के पहुंचने पर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इसमें सफर कर इसकी संचालन व्यवस्था और यात्रा का अनुभव लिया। इस दौरान अधिकारी-कर्मचारी ई-बस में सवार होकर नेहरू नगर चौक, सूपा माल चौक, शंकरनगर हॉस्पिटल, धमधा रोड, ग्रीन चौक, दुर्ग रेल्वे स्टेशन रोड, दुर्ग बस स्टैंड, राजेन्द्र प्रसाद चौक, तगड़ा बांध, पंथी चौक होते हुए रिसाली से भिलाई तक ट्रायल किया गया।

यह ट्रायल ई-बस सेवा के सुचारू संचालन की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ई-बस सेवा शुरू होने से दुर्ग, भिलाई, रायपुर, रिसाली, भिलाई वरोदा एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को आवागमन के लिए एक बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी। विशेष रूप से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं आम यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। इलेक्ट्रिक बसें होने के कारण पर्यावरण प्रदूषण में कमी लाने के साथ ही शहर में स्वच्छ एवं हरित परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। संचालन व्यवस्था को समझने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं निगम आयुक्त सुरुचि सिंह दुर्ग बस स्टैंड पहुंचे और प्रधानमंत्री ई-बस सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निगम द्वारा तैयार किए गए रूट चार्ट के अनुसार बसों के संचालन की आगामी तैयारियां की जा रही हैं। ट्रायल की प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्धारित योजना के अनुरूप ई-बसों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। इससे भिलाई शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी और नागरिकों को सुविधाजनक यातायात का एक बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा।

दुर्ग में कल से जुटेंगे देशभर के वैज्ञानिक व शिक्षाविद्, 48वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस का होगा उद्घाटन



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी की 48वीं वार्षिक कांग्रेस (XLVIII ISSC) का आयोजन 19 से 21 नवंबर 2026 तक हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में किया जा रहा है। कांग्रेस का केंद्रीय विषय "भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान" है।

उद्घाटन सत्र 19 नवंबर को होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री (आवास एवं शहरी कार्य) तोखन साहू तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जी.डी. शर्मा करेंगे। अकादमी के महासचिव डॉ. एन.पी. चौबे भी उपस्थित रहेंगे। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आयोजन समिति के सभापति प्रो. संजय तिवारी ने बताया कि यह कांग्रेस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप मातृभाषा और भारतीय भाषाओं में विज्ञान की शिक्षा तथा शोध पर विमर्श का मंच बनेगी। उन्होंने कहा कि विज्ञान तभी जन-जन तक पहुँचेगा जब वह लोगों की अपनी भाषा में सुलभ हो।

कांग्रेस की प्रमुख विशेषताएँ

देश-विदेश से आए वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधार्थी और विद्यार्थी 28 विषयगत अनुसंधान समितियों तथा 21 अंतर्विषयी पैनलों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। छत्तीसगढ़ के लोगों के विकास के लिए विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान पर विशेष संगोष्ठी होगी, जिसमें हिंदी, छत्तीसगढ़ी और जनजातीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षण, स्वदेशी ज्ञान, कृषि, स्वास्थ्य, पोषण, खनन-उद्योग और युवा रोजगार जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

अखिल भारतीय युवा वैज्ञानिक सम्मेलन में युवा शोधार्थी अपने नवाचार प्रस्तुत करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय विज्ञान समाज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा भारतीय वैज्ञानिकों के नवाचारों व खोजों की प्रदर्शनी का आयोजन होगा। रचनात्मक एवं नवाचारी शोध के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएँगे।

कांग्रेस की मेजबानी हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग; श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भिलाई; छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी की स्थापना 15 अगस्त 1974 को हुई थी और वर्ष 2024 में उसने अपने पचास वर्ष पूरे किए। अकादमी प्रकृति, मानव और समाज के विज्ञान को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करती है।

कचान्दुर एसटीपी का भारत सरकार के अधिकारियों ने किया निरीक्षण, निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के उप सचिव रवि चंद्र एवं प्रोग्राम डायरेक्टर अरुण शर्मा द्वारा कचान्दुर स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एसटीपी निर्माण कार्य की प्रगति एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित इंजीनियरों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कार्य में तेजी लाने और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया, ताकि परियोजना का लाभ निर्धारित समय पर नागरिकों को मिल सके।

इस अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई के कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, सहायक अभियंता अजय गौर, उप अभियंता आशीष भारती, एसएनबी एवं पीएमसी के अभियंताओं सहित सुडा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिसाली के 39 लोगों को मिला अपना घर, विधायक और महापौर ने दी बधाई



नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई



दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और रिसाली महापौर शशि सिन्हा की उपस्थिति में 39 लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान आवंटन किया गया। हितग्राहियों ने लाटरी निकालकर स्वयं के मकान का सपना पूरा किया। हितग्राही जानकी निषाद ने अपनी पुत्री मिशा से व सीमा धुरा ने अपनी 4 वर्षीय पुत्री तृषा से लाटरी पर्ची को निकलवाया।

मोर मकान मोर आस किराएदारी घटक अंतर्गत नगर पालिका निगम रिसाली मे लॉटरी पद्धति से कुल 39 लोगों को आवास आबंटन किया गया। लक्ष्मी नगर 36 यूनिट रिसाली में 4 और प्रदीप्ति नगर 348 यूनिट रिसाली में 35 हितग्राहियों को मकान दिया गया। सबसे पहले एक वरिष्ठ नागरिक को भूतल मे लाटरी पद्धति से आबंटन किया गया। प्रक्रिया को पारदर्शी करने सबसे पहले नियमों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर दुर्ग ग्रामीण, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एम आई सी जमुना ठाकुर, मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनुपम साहू, आयुक्त मोनिका वर्मा, नोडल अधिकारी अखिलेश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

शासन की खेल-कूद की जमीन पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स कैसे बन गया? कलेक्टर जितेन्द्र यादव से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कारधानी में शासन द्वारा खेल-कूद एवं मनोरंजन हेतु आबंटित जमीन पर व्यावसायिक निर्माण का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री एवं पूर्व पार्षद हेमंत ओस्तवाल ने कलेक्टर को पत्र लिखकर श्री दिग्विजय क्लब के व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

ओस्तवाल ने अपने पत्र में कहा है कि दिग्विजय क्लब को शासन द्वारा नजूल विभाग की जगह खेल-कूद एवं मनोरंजन के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर आबंटित की गई थी। क्लब के पदेन अध्यक्ष शासन द्वारा निर्धारित अधिकारी नियुक्त होता है। लेकिन उन्हीं सदस्यों द्वारा शासन के नियम विरुद्ध कार्य करवाकर नगर पालिक निगम कार्यालय के बाजू खैरागढ़ रोड पर विशाल व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स खड़ा कर दिया गया।



पत्र में उठाए गए गंभीर सवाल

व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने से संबंधित प्रस्ताव पर किन सदस्यों ने हस्ताक्षर किए और किन सदस्यों ने विरोध दर्ज कराया, क्लब की कार्यातीत मिनट बुक (रजिस्टर) में हुए निर्णय की पूरी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

निर्माण से पहले मालिकाना हक के दस्तावेज, क्लब के संविधान की कॉपी, शासन के नियमानुसार पास कराया गया नक्शा और उप संचालक नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा स्वीकृत नक्शा है या नहीं, इसकी जांच हो।

आयुक्त नगर पालिक निगम राजनांदगांव / भवन नजूल शाखा के प्रभारी अधिकारी द्वारा जारी भवन निर्माण अनुज्ञा क्र. 11835 दिनांक 28/04/2023 की जांच हो कि जारी अनुज्ञा शासन के नियमानुसार है या नियम विरुद्ध।

जिस स्वीकृत नक्शे के तहत अनुज्ञा जारी हुई, उस नक्शे का पालन निगम द्वारा कराया गया है या नहीं, यह भी गंभीर जांच का विषय है।

इतने बड़े व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में पार्किंग किस क्षेत्र में दर्शाई गई है और किस क्षेत्र में पार्किंग हेतु जगह छोड़ी गई है, इसका भी खुलासा हो।

क्लब को भवन पूर्णता प्रमाण पत्र कब जारी हुआ, इसका भी खुलासा कराया जाए।

आम जनता के साथ दोहरा मापदंड?

ओस्तवाल ने पत्र में आम जनता की पीड़ा को भी सामने रखा है। उन्होंने लिखा है कि आम जनता शासन के नियम विरुद्ध आवासीय / गैर आवासीय मकान बना ले तो नियमों का हवाला देकर मकान तोड़ने आदि के नोटिस जारी हो जाते हैं। वहीं नगर पालिक निगम कार्यालय के जस्ट बाजू में इतना बड़ा व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बन गया और निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की नींद क्यों नहीं खुली?

उन्होंने कलेक्टर जितेन्द्र यादव से मांग की है कि जनहित और शासनहित में दिग्विजय क्लब के इस व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण से संबंधित उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाकर पूरा खुलासा 1 माह के अंदर कराया जाए, जिससे भविष्य में कोई भी शासन से जिन उद्देश्य हेतु प्राप्त जगह का दुरुपयोग कोई संस्था का पदाधिकारी या शासन का पदेन अध्यक्ष आदि न कर सके। ओस्तवाल ने यह भी मांग की है कि निगम की भवन निर्माण अनुज्ञा की अनुमति से संबंधित संपूर्ण दस्तावेजों की जांच अति आवश्यक है और सभी दोषियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जाए।

बंगाल की खाड़ी में भीषण चक्रवात 'अकवान', छत्तीसगढ़ में दो दिन भारी बारिश की आशंका

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने 20 और 21 नवंबर को छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की आशंका जताई है। इसके साथ ही गरज-चमक, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी पूर्वानुमान है। मौसम में संभावित बदलाव के चलते अगले दो दिन महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। मौसम विभाग के 18 नवंबर को जारी बुलेटिन के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क रहा और कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। हालांकि बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात के तट की ओर बढ़ने के कारण आने वाले दिनों में मौसम की स्थिति बदल सकती है।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100